- 19th Year
- Issue: 192
- 13.11.2025 (THURSDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक कलिंग समाचार

The kalingasamachar

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

लाल किले पर 26 जनवरी को हमले की थी साजिश? फरीदाबाद से गिरफ्तार व्हाइट कॉलर आतंक मॉड्यूल की जांच से हुआ खुलासा!

नयी दिल्ली १२/११ (संवाददाता): क्या लाल किले पर 26 जनवरी को आतंकी हमला करने की साजिश रची गई थी? यह सवाल इसलिए उठा है क्योंकि कार धमाके की जांच कर रही दिल्ली पुलिस को इस दिशा में संकेत मिले हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार 10 नवंबर को लाल किले के पास हुए विस्फोट का संबंध एक बड़ी आतंकी साजिश से हो सकता है जो गणतंत्र दिवस समारोह को निशाना बनाने के इरादे से रची गई थी। हम आपको बता दें कि फरीदाबाद में हाल ही में पकड़े गए व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल के सरगना, डॉ. मुज़मिल गनई के मोबाइल डाटा की जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। मोबाइल डंप डाटा और टावर लोकेशन से यह पता चला है कि डॉ. गनई ने जनवरी 2025 के पहले सप्ताह में कई बार लाल किले और उसके आसपास के इलाकों का दौरा किया था।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, डॉ. मुज़मिल की मोबाइल लोकेशन बार-बार लाल किले के आसपास पाई गई है। यह उनके द्वारा की जा रही एक सुनियोजित रेकी का हिस्सा थी, जो संभवत: 26 जनवरी के हमले की तैयारी थी।卐 गौरतलब है कि हर वर्ष गणतंत्र दिवस की परेड का समापन लाल किले के निकट होता है। इस पूरे क्षेत्र में राष्ट्रपति भवन से लेकर लाल किले तक सुरक्षा का कड़ा घेरा रहता है। हजारों सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं और वीवीआईपी आवाजाही होती है। ऐसे में आतंकियों द्वारा इस रूट को निशाना बनाने की योजना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरे का संकेत है। जांच अधिकारियों के अनुसार, मुज़मिल गनई और उनके साथी डॉ. उमर नबी ने कई बार लाल किले और उससे सटे इलाकों का दौरा किया था। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश द्वारों, भीड़भाड़ के समय और पुलिस गश्त के पैटर्न का गहराई से अध्ययन किया। सीसीटीवी फुटेज और टावर लोकेशन डेटा ने इन दावों की पुष्टि की है।

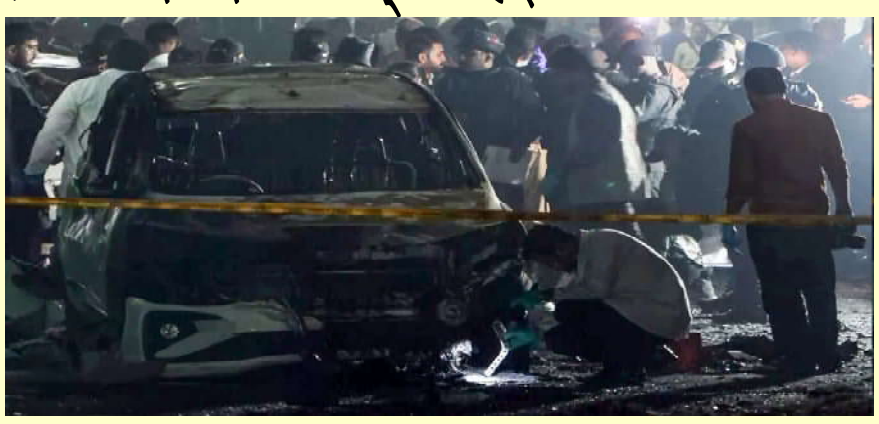

दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा अब गनई और नबी के डिजिटल फुटप्रिंट का विश्लेषण कर रही है। जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस मॉड्यूल को फंडिंग कहां से मिल रही थी, विस्फोटक कैसे और किस चैनल से मंगाए गए और क्या इनके पीछे कोई विदेशी हैंडलर सक्रिय था। इसके अलावा, उमर नबी की भी गतिविधियों की पड़ताल हो रही है। खासकर यह जानने के लिए कि विस्फोट से ठीक पहले वह किससे संपर्क में था। पुलिस के अनुसार, उनके फोन से भी डंप डेटा निकाला गया है, जिसकी बारीकी से जांच जारी है। इस तरह की भी बात सामने आ रही है कि यह लोग तुर्किये भी गये थे।देखा जाये तो यह मामला भारत में आतंकवाद के बदलते स्वरूप को सामने लाता है। बीते दशक में सुरक्षा एजेंसियों ने 'ग्राउंड-लेवल' आतंकियों पर तो मजबूत शिकंजा कसा, लेकिन अब खतरा नए रूप में उभर रहा है— 'व्हाइट कॉलर टेररिज़्म' के रूप में। डॉ. मुज़मिल गनई और उमर नबी जैसे शिक्षित, पेशेवर पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों का आतंक से जुड़ना इस बात का संकेत है कि विचारधारात्मक ब्रेनवॉश अब सिर्फ सीमावर्ती कैंपों में नहीं, बल्कि डिजिटल नेटवर्कों और ऑनलाइन फोरमों में हो रहा है। ऐसे आतंकियों के पास न केवल तकनीकी विशेषज्ञता होती है, बल्कि वे अपनी गतिविधियों को सामान्य नागरिक जीवन के आवरण में छिपाने में भी माहिर होते हैं।

दिल्ली पुलिस की जांच अगर सही दिशा में है, तो यह प्रयास गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व को कलंकित करने का था। यह घटना सुरक्षा एजेंसियों के लिए चेतावनी है कि आतंकवाद अब परंपरागत खुफिया मॉडलों से परे जाकर विकसित हो रहा है।

फिजिकल सुरक्षा जितनी मजबूत हो, डिजिटल और साइबर निगरानी उतनी ही सशक्त होनी चाहिए। सवाल उठता है कि क्या हम तैयार हैं उस दौर के लिए जहाँ आतंकवादी बंदूक नहीं, डिग्री और डेटा का इस्तेमाल करेंगे? देखा जाये तो लाल किले के आसपास का विस्फोट भले ही छोटा रहा हो, पर उसकी गूँज बहुत गहरी है, यह गूँज उस खतरे की है जो अब सूट-टाई और स्टेथोस्कोप पहनकर आ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने दिल्ली विस्फोट पीड़ितों से मुलाकात की, अहम सुरक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे

नयी दिल्ली १२/११ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दिल्ली के लाल किले में हुए विस्फोट में घायल हुए लोगों से मिलने राष्ट्रीय राजधानी के लोक नायक अस्पताल गए। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार दोपहर भूटान की अपनी यात्रा के बाद दिल्ली पहुँचे। प्रधानमंत्री आज शाम लगभग 5-30 बजे सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (ष्टष्टस्) और कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें सोमवार शाम को पूरे देश को झकझोर देने वाले और कम से कम 12 लोगों की जान लेनरे वाले विस्फोट के बाद की स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

अपनी दो दिवसीय भूटान यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली के लाल किले के पास हुए घातक कार विस्फोट पर गहरा दुख व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि इसके लिए ज़ि मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। प्रधानमंत्री मोदी २ने थि पू में कहा, दिल्ली में एक दुखद घटना हुई। मैं उन परिवारों का दर्द समझ सकता हूँ जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है।

उन्होंने आगे कहा, मैं भारी मन से यहाँ आया हूँ। इस दुख की घड़ी में पूरा देश प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा है। हमारी एजेंसियाँ इस विवाद की तह तक जाएँगी। सभी ज़ि मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।सोमवार शाम ऐतिहासिक लाल किले के पास खड़ी एक कार में शक्तिशाली विस्फोट हुआ, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अनुसार, लाल किले के पास सुभाष मार्ग ट्रैफिक सिग्नल के पास सोमवार शाम करीब 7 बजे हुआ विस्फोट एक धीमी गति से चल रही हुंडई द्व20 कार में हुआ और इससे आसपास के कई वाहनों को नुकसान पहुँचा। दिल्ली के सबसे व्यस्त हेरिटेज क्षेत्रों में से एक में हुए इस विस्फोट के बाद देशव्यापी सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया गया है।

दिल्ली में विस्फोट सरकार की विफलता-खरगे

नयी दिल्ली १२/११ (संवाददाता): कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को दिल्ली में हुए विस्फोट को सरकार की विफलता करार देते हुए बुधवार को मांग की कि इस आतंकवादी कृत्य के दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि आगे ऐसी घटनाएं ना हों। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी घटना राष्ट्रीय राजधानी में हुई, जहां खुफिया ब्यूरो सहित सुरक्षाके लिए जि मेदार शीर्ष एजेंसियां काम करती हैं। खरगे ने आरोप लगाया कि दिल्ली में ऐसी सभी एजेंसियों की मौजूदगी के बावजूद सरकार विफल रही है और उनकी पार्टी पूरी रिपोर्ट का इंतज़ार करेगी। राज्यसभा में विपक्ष के नेता खरगे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस ने विस्फोट की निष्पक्ष जांच के साथ इसके साजिशकर्ताओं को कड़ी सजा दिलाने की सरकार से मांग की है।

डबल इंजन सरकार पर जनता का विश्वास, विजय सिन्हा बोले-बिहार में एनडीए की बड़ी जीत तय

पटना १२/११ (संवाददाता): बिहार के उपमु यमंत्री विजय सिन्हा ने बुधवार को राज्य विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के मज़बूत प्रदर्शन की भविष्यवाणी करने वाले एग्ज़िट पोल का स्वागत किया। उन्होंने जनता का आभार व्यक्त किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि उनकी भावनाएँ और अभिव्यक्ति बिहार के बेहतर और ज़्यादा स मानजनक भविष्य का प्रतीक होंगी। सिन्हा ने कहा कि मतदाताओं ने हर बिहारी का गौरव बढ़ाने और बिहारी शब्द को अपमान में बदलने वालों को सबक सिखाने का फ़ैसला कर लिया है। सिन्हा ने एएनआई को बताया कि लोकतंत्र की पालना कहे जाने वाले बिहार में रहने वाले हर निवासी ने हर बिहारी के स मान और गौरव को बढ़ाने और बिहारी शब्द को अपमान में बदलने वालों को सबक सिखाने का फैसला किया है। लोगों ने मोदी जी और नीतीश जी की डबल इंजन सरकार द्वारा लाई गई विकास की गति में अपना विश्वास व्यक्त किया है। मैं सभी बिहारवासियों का हृदय

से धन्यवाद और आभार व्यक्त करता हूँ। आपकी भावनाएँ और उनकी अभिव्यक्ति बिहार के बेहतर और अधिक स मानजनक भविष्य का प्रतीक बनेगी। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को एग्जिट पोल के नतीजों की प्रशंसा करते हुए इसे जनता की ओर से एनडीए सरकार के लिए स्वीकृति की मुहर बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम और काम के साथ-साथ मु यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन के स्पष्ट प्रभाव को देखते हुए, अनुमान से ज़्यादा सीटें जीतने का विश्वास जताया। नित्यानंद राय ने संवाददाताओं से कहा, जनता की आवाज़ और एनडीए सरकार पर मुहर एग्ज़िट पोल में साफ़ दिखाई दे रही है। मेरा मानना है कि एनडीए अनुमान से भी ज़्यादा सीटें जीतेगा और दो-तिहाई से ज़्यादा बहुमत के साथ सरकार बनाएगा। बिहार में हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम और काम के साथ-साथ मु यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन की लहर का प्रभाव साफ़ दिखाई दे रहा है। बिहार चुनाव में भारी मतदान की सराहना करते हुए, राय ने ज़ोर देकर कहा कि युवाओं, गरीबों, महिलाओं और किसानों के कल्याण के लिए किए गए कार्य इस भारी मतदान के रूप में परिलक्षित हो रहे हैं। राय ने कहा, युवाओं, गरीबों, महिलाओं और किसानों के कल्याण के लिए किए गए कार्य भारी मतदान के रूप में परिलक्षित हो रहे हैं। एनडीए की सरकार बनेगी।

जमू-कश्मीर में प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी पर बड़ी कार्रवाई, चार जिलों में 200 से ज़्यादा ठिकानों पर छापे

श्रीनगर १२/११ (संवाददाता): ज मू-कश्मीर के कुलगाम ज़िले में पुलिस ने बुधवार को प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी (छ्द्गद्ब) के ख़िलाफ़ बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की। इस कार्रवाई में 200 से ज़्यादा ठिकानों पर छापे मारे गए और आपत्तिजनक सामग्री व डिजिटल उपकरण ज़ब्त किए गए।

यह कार्रवाई दिल्ली विस्फोट और एक अंतर-राज्यीय सफेदपोश आतंकवादी मॉड्यूल के भंडाफोड़ के बाद की गई है।अधिकारियों ने बताया कि शोपियां, कुलगाम, बारामूला और गांदरबल जिलों में कई स्थानों पर छापे मारे गए। उन्होंने बताया कि जेईआई सदस्यों और उनके साथियों के आवासों और परिसरों पर छापे मारे गए तथा तलाशी ली गई। अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई जमीनी स्तर पर आतंकवादी ढांचे को ध्वस्त करने के निरंतर प्रयासों का एक हिस्सा है। अभियान अभी जारी है और विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। पिछले चार दिनों में, 500 से ज़्यादा लोगों से पूछताछ की गई है, जिनमें से कई को हिरासत में लिया गया है और ज़िले में सुरक्षाकर्मियों द्वारा 400 घेराबंदी और तलाशी अभियान (ष्टस्ह्र) चलाए गए हैं।

एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कुलगाम पुलिस ने प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी के ख़िलाफ़ एक बड़ी कार्रवाई शुरू की है, जिसके शीर्ष नेता 2019 के केंद्र सरकार के प्रतिबंध के बाद कश्मीर के भीतर और बाहर जेलों में बंद थे।पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि ज़मीनी स्तर पर आतंकवादी तंत्र और उसके समर्थन ढाँचे को ध्वस्त करने के निरंतर प्रयासों के तहत जमात सदस्यों और उनके सहयोगियों के घरों और परिसरों पर छापे मारे गए। उन्होंने कहा, छापेमारी के दौरान, आपत्तिजनक सामग्री और डिजिटल उपकरण ज़ब्त किए गए, और कई जमात-ए-इस्लामी सदस्यों से पूछताछ की गई और आतंकवाद को सहायता देने वाले नेटवर्क का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने के लिए उन्हें हिरासत में लिया गया। कुलगाम ज़िले में पुलिस ने पिछले चार दिनों में सैकड़ों आतंकवाद-रोधी अभियान चलाए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने कहा, पिछले चार दिनों में, ज़िले के विभिन्न इलाकों में 400 से ज़्यादा घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाए गए।

भारतीय वायुसेना का पश्चिमी सीमा पर महागुजराज-25 का आयोजन, जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन

नयी दिल्ली १२/११ (संवाददाता):भारतीय वायु सेना ने पश्चिमी क्षेत्र में अ यास महागुजराज-25 (एमजीआर-25) का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें परिचालन उत्कृष्टता और संयुक्त तैयारियों का प्रदर्शन किया गया। यह अ यास वायु, समुद्री और हवाई-थल अभियानों सहित बहु-डोमेन युद्धक्षेत्र में एकीकृत संचालन और प्रौद्योगिकी संचार के माध्यम से भारतीय वायुसेना की रक्षा तैयारियों को प्रमाणित करता है। इसमें हीरासर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उपयोग करते हुए नागरिक समन्वय और संसाधनों के बहुआयामी उपयोग पर भी जोर दिया गया।

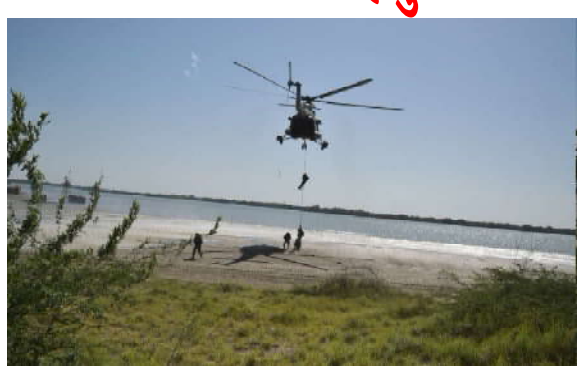

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि परिचालन उत्कृष्टता और संयुक्त तैयारियों के एक दृढ़ प्रदर्शन में, भारतीय वायु सेना ने 29 अक्टूबर से 11 नवंबर तक पश्चिमी क्षेत्र में महागुजराज-25 (एमजीआर-25) अ यास किया। यह अ यास वायु अभियानों से लेकर समुद्री और हवाई-थल अभियानों तक, सभी प्रकार के अभियानों में दक्षता प्रदर्शित करने की भारतीय वायुसेना की क्षमता की पुष्टि करता है।

सभी उपलब्ध संसाधनों और बुनियादी ढांचे का उपयोग करते हुए अभियानों में बहुआयामी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए, भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने हीरासर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से अभियान चलाए। इस अ यास ने मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक नागरिक बहु-कार्य सामंजस्य और समन्वय के उच्च स्तर पर प्रकाश डाला। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस अ यास ने एक बहु-डोमेन युद्धक्षेत्र में एकीकृत संचालन, प्रौद्योगिकी संचार और क्षेत्रीय तालमेल के माध्यम से रक्षा तैयारियों को प्रमाणित किया।

इस अ यास में प्रशासन, रसद और रखरखाव के बीच एकजुट टीमवर्क और तालमेल परिलक्षित हुआ, जिसने मिशन की तैयारियों के लिए भारतीय वायुसेना के एकीकृत दृष्टिकोण को रेखांकित किया। इससे पहले मंगलवार को, लेंि टनेंट जनरल धीरज सेठ, पीवीएसएम, एवीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिणी कमान ने चल रहे त्रि-सेवा अ यास त्रिशूल के एक प्रमुख घटक, अ यास अखंड प्रहार के दौरान कोणार्क कोर की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। यह अ यास भारतीय वायु सेना के साथ घनिष्ठ तालमेल में एकीकृत, बहु-डोमेन संचालन करने की भारतीय सेना की क्षमता को प्रमाणित करने पर केंद्रित था। अ यास के दौरान, सेना कमांडर ने संयुक्त शस्त्र युद्धा यासों की एक श्रृंखला देखी, जिसमें निर्बाध अंतर-सेवा समन्वय और रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं (टीटीपी) के परिशोधन का प्रदर्शन किया गया। अ यास में अगली पीढ़ी की युद्धक्षेत्र तकनीकों का उपयोग भी शामिल था, जिसमें ड्रोन, काउंटर-ड्रोन सिस्टम और उन्नत निगरानी संपत्तियां शामिल थीं, जिसने आधुनिक युद्ध तैयारियों पर सेना के फोकस को रेखांकित किया।

विविध समाचार

दिल्ली ब्लास्ट:अल-फलाह विश्वविद्यालय ने खुद को आरोपियों से पूरी तरह किया अलग, बयान जारी

नयी दिल्ली १२/११ (संवाददाता): अल-फ़लाह विश्वविद्यालय ने बुधवार को डॉ. मुज़मिल अहमद गनई और डॉ. अदील राठेर से किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया, जिन्हें फरीदाबाद में बरामद 360 किलोग्राम विस्फोटक के सिलसिले में गिर तार किया गया था।

एक बयान जारी करते हुए, विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. डॉ. भूपिंदर कौर आनंद ने कहा कि विश्वविद्यालय का आरोपियों से उनके आधिकारिक क्षमता में काम करने के अलावा कोई संबंध नहीं है, और विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी संदिग्ध रसायन या सामग्री का इस्तेमाल या भंडारण नहीं किया जा रहा है।

बयान में कहा गया है कि हम इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम से बेहद दुखी और व्यथित हैं और इसकी निंदा करते हैं। हमारी संवेदनाएँ और

प्रार्थनाएँ इन दुखद घटनाओं से प्रभावित सभी निर्दोष लोगों के साथ हैं।

हमें यह भी पता चला है कि हमारे दो डॉक्टरों को जाँच एजेंसियों ने हिरासत में लिया है। हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि विश्वविद्यालय का इन व्यक्तियों से कोई संबंध नहीं है, सिवाय इसके कि वे विश्वविद्यालय में आधिकारिक क्षमता में काम कर रहे हैं।कुलपति ने विश्वविद्यालय के बारे में भ्रामक जानकारी प्रसारित करने वाले ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स की भी आलोचना की। कुलपति ने कहा, विश्वविद्यालय इस बात पर भी गहरी चिंता व्यक्त करता है कि कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा और साख को ठेस पहुँचाने के स्पष्ट इरादे से निराधार और भ्रामक कहानियाँ प्रसारित कर रहे हैं। हम ऐसे सभी झूठे और अपमानजनक आरोपों की कड़ी निंदा करते हैं और उनका स्पष्ट रूप से खंडन करते हैं।

बयान में आगे कहा गया कि इसके द्वारा यह स्पष्ट किया जाता है कि कुछ प्लेटफॉर्म्स द्वारा लगाए जा रहे ऐसे किसी भी रसायन या पदार्थ का विश्वविद्यालय परिसर में उपयोग, भंडारण या संचालन नहीं किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाएँ केवल और केवल एमबीबीएस छात्रों और अन्य अधिकृत पाठ्यक्रमों की शैक्षणिक और प्रशिक्षण आवश्यकताओं के लिए उपयोग की जाती हैं। प्रत्येक प्रयोगशाला गतिविधि नियामक अधिकारियों द्वारा निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल, वैधानिक मानदंडों और नैतिक मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए की जाती है।

विश्वविद्यालय ने देश की एकता और सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए जाँच अधिकारियों के साथ सहयोग भी बढ़ाया।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली विस्फोट के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी, कहा-न्यायालय देश के नागरिकों के साथ खड़ा है

नयी दिल्ली १२/११ (संवाददाता): उच्चतम न्यायालय ने यहां लाल किले के निकट हुए कार विस्फोट के पीड़ितों को मंगलवार को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि शीर्ष अदालत कानून का शासन कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत के प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने कहा कि दुख की इस घड़ी में उच्चतम न्यायालय देश के नागरिकों के साथ खड़ा है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''उच्चतम न्यायालय कानून के शासन को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे।''प्रधान न्यायाधीश ने वरिष्ठ अधिवक्ता शरत एस जावली और जगदीश चंद्र गुप्ता को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित एक 'पूर्ण न्यायालय संदर्भ' (श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित औपचारिक बैठक) में यह टिप्पणी की। जावली और गुप्ता का हाल में निधन हो गया था।

अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर धीमी गति से चल रही एक कार में जोरदार विस्फोट होने से 12 लोगों की मौत हो गई और कई वाहन जलकर खाक हो गए।

तिरूपति लड्डू घी विवाद के बीच पवन कल्याण ने फिर की मांग, सनातन धर्म परिरक्षण बोर्ड का हो गठन

अमरावती १२/११ (संवाददाता): तिरुपति लड्डुओं में इस्तेमाल होने वाले घी में कथित मिलावट को लेकर उठे विवाद के बीच, आंध्र प्रदेश के उपमु यमंत्री पवन कल्याण ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए %सनातन धर्म परिक्षण बोर्ड% की स्थापना का आह्वान किया। मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, कल्याण ने कहा कि सनातनियों की भावनाओं और प्रथाओं का मज़ाक उड़ाया जा रहा है और उन्हें कमतर आंका जा रहा है, जिससे भक्तों का विश्वास कम होता है।

उपमु यमंत्री ने लिखा कि वैश्विक हिंदू समुदाय के लिए, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम एक तीर्थस्थल से कहीं बढ़कर है; यह एक पवित्र आध्यात्मिक प्रवास है। तिरुपति लड्डू केवल एक मिठाई नहीं है; यह एक साझा भावना है - हम इसे दोस्तों, परिवार और अजनबियों के बीच समान रूप से बांटते हैं, क्योंकि यह हमारी सामूहिक आस्था और गहन विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि औसतन, हर साल लगभग 2.5 करोड़

श्रद्धालु तिरुमाला आते हैं। और जब सनातनियों की भावनाओं और प्रथाओं का मज़ाक उड़ाया जाता है या उन्हें कमतर आंका जाता है, तो यह न केवल आहत करने वाला होता है, बल्कि दुनिया भर के लाखों लोगों के विश्वास और श्रद्धा को भी चकनाचूर कर देता है। धर्मनिरपेक्षता दोतरफा होनी चाहिए।

सनातन धर्म के लिए एक संरक्षण निकाय की माँग करते हुए, उन्होंने कहा कि बोर्ड की स्थापना सभी हितधारकों की सहमति से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी आस्था की सुरक्षा और स मान पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हमारा सनातन धर्म सबसे प्राचीन और निरंतर विकसित होती स यताओं में से एक है, और अब समय आ गया है कि हम सभी हितधारकों की सहमति से सनातन धर्म परिरक्षण बोर्ड की स्थापना करें।

एक अन्य एक्स पोस्ट में, कल्याण ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें आरोप लगाया गया था कि 2019 से 2024 के बीच तिरुपति लड्डू में 250 करोड़ रुपये के मिलावटी घी का इस्तेमाल किया गया। यह खबर तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व कार्यकारी अधिकारी धर्म रेड्डी के मिलावटी घी मामले में एसआईटी के सामने पेश होने के बाद आई है। उनसे मिलावटी घी की खरीद के संबंध में पूछताछ की गई।

राजा वांगचुक से मुलाकात, जलविद्युत परियोजना पर बनी सहमति, भूटान का दौरा पूरा कर दिल्ली पहुँचे

नयी दिल्ली १२/११ (संवाददाता):प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूटान की राजकीय यात्रा भारत-भूटान संबंधों में एक मील का पत्थर साबित हुई, जिसकी एक झलक भूटान के श्रद्धेय चतुर्थ नरेश, ड्रुक ग्यालपो जिग्मे सिंग्ये वांगचुक से उनकी मुलाकात से मिली। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा चतुर्थ नरेश, जिन्हें प्यार से च4 के नाम से जाना जाता है, की 70वीं जयंती समारोह के अवसर पर हुई और इसमें भूटान के वर्तमान नरेश, राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के साथ व्यापक चर्चाएँ शामिल थीं।

इस अवसर पर गर्मजोशी से स्वागत और सांस्कृतिक उत्सवों का आयोजन किया

गया, जिसमें भारत और भूटान के बीच स्थायी मित्रता और आपसी स मान का जश्न मनाया गया।

थि पू में अपनी यात्राओं के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-भूटान सहयोग के प्रमुख स्तंभों पर व्यापक चर्चा की। दोनों पक्षों ने ऊर्जा, क्षमता निर्माण, संपर्क, रक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में संयुक्त प्रयासों को आगे बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान की विकास यात्रा के प्रति भारत की निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि की और एक पड़ोसी और घनिष्ठ मित्र के रूप में भारत की साझेदारी पर गर्व व्यक्त किया। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों पर भी गहन चर्चा की और स्थिरता एवं सहयोग के लिए अपने साझा दृष्टिकोण को दोहराया।

इस यात्रा का एक प्रमुख आकर्षण भारत से लाए गए भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का श्रद्धापूर्वक स्वागत था, जो वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव और चतुर्थ राजा के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित किया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जिस तरह से इन अवशेषों का स्वागत किया गया, वह भारत और भूटान के लोगों के बीच गहन आध्यात्मिक और सांस्कृतिक बंधनों को दर्शाता है, जो साझा बौद्ध विरासत और शांति एवं सद्भाव के मूल्यों में निहित हैं।

18 नवंबर को लूंगा शपथ-तेजस्वी यादव

पटना १२/११ (संवाददाता): महागठबंधन के मु यमंत्री पद के उ मीदवार तेजस्वी यादव ने बुधवार को बिहार चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत की भविष्यवाणी करने वाले एग्जिट पोल को खारिज करते हुए कहा कि वह न तो झूठे आशावाद में जीते हैं और न ही गलतफहमी में। यादव ने पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ज़ोर देकर कहा कि लोग मतदान के लिए लंबी कतारों में खड़े हैं और मतदान प्रक्रिया अभी खत्म भी नहीं हुई है, एग्जिट पोल बिहार चुनाव में एनडीए की जीत की भविष्यवाणी कर रहे हैं। उन्होंने सर्वेक्षण के सैंपल साइज़ और मानदंडों पर सवाल उठाते हुए कहा कि इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया है।तेजस्वी यादव ने संवाददाताओं से कहा कि कल मतदान के दौरान लोग लंबी कतारों में खड़े रहे, शाम छह-सात बजे तक भी।

भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे मुर्शिदाबाद में ज़िंदा बम, बढ़ी सुरक्षा एजेंसियों की चिंता

मुर्शिदाबाद १२/११ (संवाददाता): पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में सोमवार सुबह एक खेत से ज़िंदा देसी बमों से भरा एक बैग बरामद हुआ, जिससे सुरक्षा व्यवस्था में खलबली मच गई और राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर चिंताएँ बढ़ गई। पुलिस ने बताया कि रविवार देर रात एक गुप्त सूचना के बाद इलाके में एक पुलिया के पास यह बैग मिला। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और विस्फोटकों को निष्क्रिय करने के लिए बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया है। इस खोज के बाद इलाके में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। बम छुपाने वालों की पहचान और उनके मकसद का पता लगाने के लिए जाँच जारी है।अधिकारियों के अनुसार, मुर्शिदाबाद में चुनावी मौसम में ऐसी ही बरामदगी का इतिहास रहा है। 2021 में विधानसभा चुनाव से पहले ज़िले में लगभग 60 देसी बम

बरामद हुए थे। 2023 के पंचायत चुनावों से पहले, एक कांग्रेस उ मीदवार के आवास के पास ज़िंदा बम बरामद हुए थे, जिससे राजनीतिक धमकी के आरोप लगे थे। ज़िले में चुनावों से जुड़ी हिंसा की कई घटनाएँ भी हुई हैं। 2023 के पंचायत चुनावों के दौरान पश्चिम बंगाल में हुई झड़पों में 40 से ज़्यादा लोग मारे गए, जिनमें मुर्शिदाबाद सबसे ज़्यादा प्रभावित था। 2016 में, डोमकल में देसी बमों से हमले में एक माकपा पोलिंग एजेंट की मौत हो गई थी। पुलिस ने कहा कि ज़िले की भारत-बांग्लादेश सीमा से निकटता इसे अवैध हथियारों और विस्फोटकों की तस्करी के लिए संवेदनशील बनाती है। स्थानीय स्तर पर राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में अक्सर देसी बमों का इस्तेमाल हथियार के रूप में किया जाता है। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि पूरे ज़िले में सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं और चुनाव से पहले किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए गश्त बढ़ा दी गई है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा हमने निगरानी बढ़ा दी है और विस्फोटकों के स्रोत की जाँच कर रहे हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025: मतदान खत्म, अब एग्जिट पोल पर निगाहें

पटना १२/११ (संवाददाता): बिहार विधानसभा चुनाव का आखिरी चरण खत्म हो चुका है। इस बार मुकाबला मु य रूप से जदयू ङ्कनीत एनडीए और राजद ङ्कनीत महागठबंधन के बीच देखा जा रहा है, जहां मतदाता अपने प्रतिनिधियों को चुनने के लिए बड़ी सं या में मतदान कर रहे हैं।

मौजूद जानकारी के अनुसार, करीब 3.7 करोड़ मतदाता 45,000 से अधिक मतदान के ंद्रों पर अपने मताधिकार का उपयोग कर रहे हैं। इस चुनाव में कुल 1,302 उ मीदवार मैदान में हैं, जिनमें कई पुराने चेहरे के साथ-साथ कई नए उ मीदवार भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

बता दें कि इस चुनाव में नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव जैसे बड़े नेताओं के अलावा ओसामा शाहाब जैसे नए चेहरे भी चर्चा

में बने हुए हैं। महुआ, राघोपुर और रघुनाथपुर जैसी सीटों पर मुकाबला काफी दिलचस्प माना जा रहा है। वहीं, इंडिया गठबंधन के भीतर कुछ सीटों पर आपसी टक्कर भी देखने को मिल रही है, जिसने चुनावी माहौल को और रोचक बना दिया है।गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने सभी मीडिया एजेंसियों को निर्देश दिया है कि मतदान के दूसरे चरण की प्रक्रिया पूरी होने से पहले किसी भी एग्जिट पोल के आंकड़े सार्वजनिक न किए जाएं। बताया जा रहा है कि एग्जिट पोल के नतीजे मतदान खत्म होने के लगभग आधे घंटे बाद यानी शाम साढ़े छह बजे से जारी किए जाएंगे।

बता दें कि बिहार चुनाव का दूसरा चरण 11 नवंबर को 20 जिलों की 122 सीटों पर हो रहा है, जिसमें गया टाउन, कटिहार और सुपौल जैसी सीटें काफी अहम मानी जा रही हैं। दोनों ही गठबंधनों के लिए यह चरण बेहद निर्णायक है क्योंकि जहां एक ओर कुछ दल अपनी सीटों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कई दल नए इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति बना रहे हैं।

वहीं, पहले चरण के मतदान ने उत्साह का नया रिकॉर्ड कायम किया है। राज्य के मु य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, पहले चरण में 65.08 प्रतिशत मतदान हुआ, जो 1998 के बाद का सबसे ज्यादा आंकड़ा है। खास बात यह रही कि महिला मतदाताओं की भागीदारी इस बार बेहद उल्लेखनीय रही है।

एग्जिट पोल की बात करें तो यह सर्वे मतदान के तुरंत बाद मतदाताओं से बातचीत के जरिए किए जाते हैं। ये सर्वे यह समझने की कोशिश करते हैं कि लोगों ने किस पार्टी को वोट दिया है। हालांकि यह केवल अनुमान होते हैं, फिर भी ये नतीजों की शुरुआती झलक पेश करते हैं और राजनीतिक माहौल को समझने में अहम भूमिका निभाते हैं।

बिहार में इस बार के चुनाव ने मतदाताओं के बीच असाधारण उत्साह और लोकतांत्रिक जोश दिखाया है, जिसका परिणाम आने वाले दिनों में साफ दिखाई देगा।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

एक पेरेंट से बच्चा करने लगा है नफरत, तो समझें कहीं कुछ गलत कर रहे हैं आप

आपने ये तो सुना होगा कि एक से ज्यादा बच्चे होने पर मां-बाप उनमें से किसी एक को अधिक प्यार करते हैं या कोई एक बच्चा उनका फेवरेट होता है। लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि अपने दोनों पेरेंट्स में से बच्चे के लिए भी कोई एक पेरेंट फेवरेट हो सकता है। जी हा, कई पेरेंट्स यह शिकायत करते हैं कि उनका बच्चा उनसे कम प्यार करता है और वो अपने दूसरे पेरेंट से ज्यादा लगाव रखता है। इस आर्टिकल में हम इसी बात पर चर्चा करेंगे कि बच्चों को ऐसा क्यों लगता है और क्या उनका यह रवैया उम्रभर तक रहता है या एक उम्र के बाद इस स्थिति में बदलाव आ सकता है।

बच्चों का नजरिया

जॉन बोल्बी की प्रसिद्ध अटैचमेंट थ्योरी के अनुसार, बच्चे सुरक्षा के लिए अपनी देखभाल करने वालों के पास रहना चाहते हैं। यह भावनात्मक विकास का एक सामान्य हिस्सा है। उनकी थ्योरी बताती है कि बच्चों के शुरुआती संबंध उनके भावनात्मक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उम्र का डेवलपमेंट पर असर

बच्चे के विकास के साथ उसकी दुनिया को लेकर धारणा भी बदलती है। छोटे बच्चे अक्सर उस माता-पिता की ओर आकर्षित होते हैं जो उनके साथ अधिक समय बिताते हैं। वहीं, बड़े बच्चे अपने जैसी रुचियों या व्यक्तित्वों के आधार पर पसंद विकसित कर सकते हैं। जर्नल ऑफ मैरिज एंड फैमिली में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चला है कि विभिन्न विकासात्मक चरणों के दौरान बच्चों की पसंद एक माता-पिता से दूसरे की ओर बदल सकती है। यह केवल एक साथ बिताए समय के बारे में नहीं है बल्कि इसमें क्वालिटी टाइम भी महत्वपूर्ण होता है।

क्या पेरेंट्स के बीच कॉम्पीटिशन होना चाहिए

सुनने में भले ही यह आश्चर्यजनक लगे, लेकिन माता-पिता के बीच थोड़ा हेल्दी कॉम्पीटिशन होना लाभकारी हो सकता है। इससे दोनों को अपने पेरेंटिंग स्किल्स को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिससे बच्चे को दोनों माता-पिता से सबसे अच्छा मिलता है। जर्नल ऑफ मैरिज एंड फैमिली में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चला है कि माता-पिता के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से बच्चों के लिए सकारात्मक परिणाम उत्पन्न होते हैं और उनके अंदर उपलब्धि की भावना बढ़ती है।

अनहेल्दी फेवरिटिज्म के संकेत

अगर आपका बच्चा किसी एक पेरेंट को पसंद करता है और आपके साथ गलत व्यवहार करता है, तो आप कुछ संकेतों से इस समझ सकते हैं। इन संकेतों में हर एक्टिविटी से किसी एक पेरेंट को दूर रखना, पेरेंट के साथ अपमानजनक तरीके से व्यवहार करना और अपने फेवरेट पेरेंट के आसपास न होने पर तनाव में आ जाना।

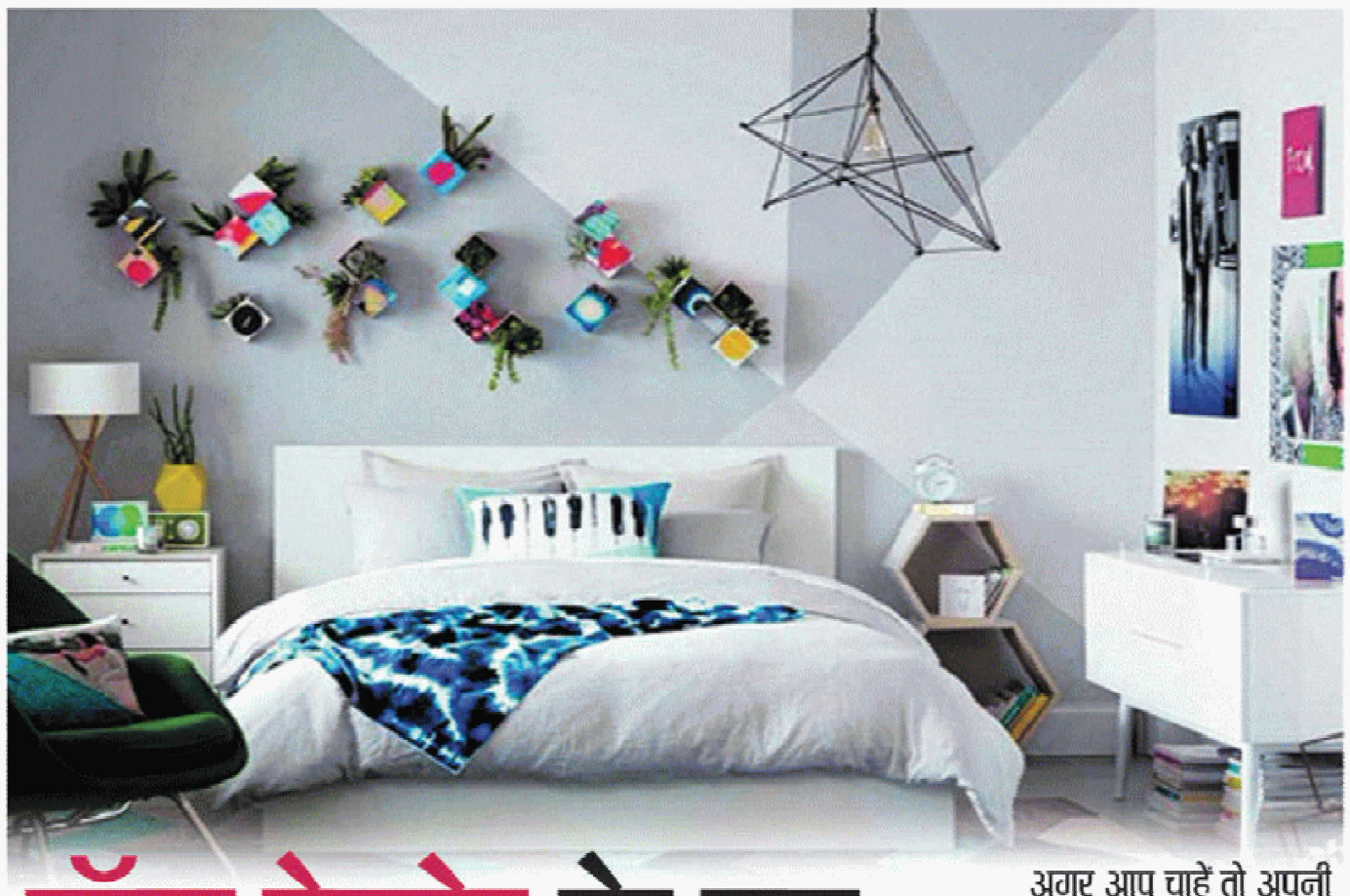

वॉल डेकोर के यह आईडियाज देंगे घर को एक न्यू व स्टाइलिश लुक

अगर आप चाहें तो अपनी क्रिएटिविटी बेहद आसानी से घर की दीवारों पर उकेर सकती हैं और उसे एक बेहतरीन लुक दे सकती हैं। जरूरी नहीं है कि दीवारों को सिर्फ फैमिली फोटोज की मदद से ही सजाया जाए। यकीनन फैमिली फोटोज आपके घर को एक पर्सनल टच देती हैं, लेकिन इसके अतिरिक्त भी वॉल डेकोर के आईडियाज का कोई अंत नहीं है।

घर की सजावट में दीवारों का एक अहम रोल होता है। अगर आप चाहें तो अपनी क्रिएटिविटी बेहद आसानी से घर की दीवारों पर उकेर सकती हैं और उसे एक बेहतरीन लुक दे सकती हैं। जरूरी नहीं है कि दीवारों को सिर्फ फैमिली फोटोज की मदद से ही सजाया जाए। यकीनन फैमिली फोटोज आपके घर को एक पर्सनल टच देती हैं, लेकिन इसके अतिरिक्त भी वॉल डेकोर के आईडियाज का कोई अंत नहीं है। दीवारों को सजाने के लिए आपको महंगे-महंगे शोपीस को खरीदने की जरूरत नहीं है। आप घर में मौजूद ही कुछ चीजों के जरिए बेहद आसानी से अपनी दीवारों को एक नया स्वरूप दे सकती हैं।

वॉल प्लांट्स

दीवारों को सजाने का एक बेहद आसान और खूबसूरत तरीका है प्लांट्स। यह उन घरों के डेकोर का भी अच्छा आईडिया है, जिन्हें हमेशा स्पेस की परेशानी होती है। आप दीवार पर ही कुछ प्लांटर्स लगाकर उनमें कुछ छोटे पौधे लगाएं। यकीन मानिए, इसके बाद आपको दीवार को सजाने के लिए अलग से कुछ करने की जरूरत नहीं होगी।

दें पर्सनल टच

दीवारों को पर्सनल टच देने के लिए हर बार फैमिली फोटोज टांगना जरूरी नहीं है। आप दीवार पर उन चीजों को भी सजा सकती है, जो आपको पसंद हैं। मसलन, अगर आपको संगीत का शौक है तो आप म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट दीवार पर सजा सकती हैं। इसी तरह आपको ड्राइंग या क्राफ्टिंग करना पसंद हैं तो आप दीवार पर अपने हाथों से एक आर्टपीस तैयार करके सजाएं। यह देखने में बेहद ही अच्छा लगता है, साथ ही अपने हाथों से घर को सजाने से एक अलग सुकून मिलता है।

सीलिंग पर फोकस

घर में दीवारों का अर्थ सिर्फ साइड की वॉल नहीं होतीं, बल्कि जरूरी है कि आप सीलिंग पर भी फोकस करें। आप सीलिंग को भी खूबसूरत बनाकर अपने घर का लुक बदल सकती हैं। आप चाहें तो इसे खुद भी पेंट कर सकती हैं या फिर आजकल मार्केट में कई बेहतरीन डिजाइन के थ्री डी वॉलपेपर मिलते हैं, उन्हें भी सीलिंग पर इस्तेमाल किया जा सकता है। यह घर को एकदम रियल व डिफरेंट लुक देते हैं।

मैग्नेटिक वॉल

दीवारों को सजाने का यह आईडिया उन घरों के लिए बेस्ट हैं, जिनके घर में छोटे बच्चे हैं। आप घर की एक दीवार को मैग्नेटिक बनाकर उसमें एल्फाबेट आदि चिपका सकती हैं। इस तरह आप हर दिन दीवार पर एक नया विचार लिख सकती हैं। साथ ही इससे बच्चे को भी बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

बास्केट लुक

अगर आपके अपने घर की दीवारों को एकदम डिफरेंट लुक देना चाहती हैं तो आपको थोड़ा एक्सपेरिमेंटल होना पड़ेगा। इसके लिए आप अलग-अलग साइज व कलर की बास्केट को दीवार पर सजाएं। यह देखने में एकदम यूनिक लगता है। इसी तरह आप प्लेट्स या छोटे मिरर को भी दीवार पर सजाकर उसे खूबसूरत बना सकती हैं।

होम गार्डनिंग शुरू करने के आसान टिप्स

गार्डनिंग करने का शौक अगर आपको भी है तो आप खुद का गार्डन अपने घर में बना सकती हैं। गार्डनिंग शुरू करने के पांच आसान स्टेप्स हम आपको बताने वाले हैं।

अपने घर के अगल बगल हरियाली किसको पसंद नहीं होती है। हालांकि शहरों में हरियाली न होने के कारण ज्यादातर लोग खुद का गार्डन बनाना पसंद करते हैं। कई लोग अपने गार्डन में केवल फूल रखते हैं तो कई लोग अपने गार्डन में सब्जियों की खेती भी करते हैं। गार्डन छोटा हो या बड़ा आप चाहें तो आसानी से उसमें अपनी पसंदीदा चीज़ों को उगा सकती है।

उचित स्थान चुने

गार्डनिंग करने के लिए जरूरी है आपको सही जगह का चयन करना। अगर आपके पास गार्डन नहीं है तो आप अपनी बालकनी में भी गार्डनिंग कर सकते हैं। इसके लिए आपको मिट्टी के गमले ख़रीदने होंगे।

अच्छे बीज चुनें

गार्डनिंग आप कहीं भी क्यों न कर रहे हो आप को सही तरीके का बीज चाहिए होगा। बीज जितना अच्छा होगा उतनी जल्दी आपके पौधे में सब्जी और फूल प्राप्त होंगे। बीज खरीदते समय आपको खास ध्यान देना होगा।

कौन सा गमला होगा बेस्ट

अगर आप पौधों में सब्जियां फ्रूल उगाने की कोशिश कर रहे हैं तो आपको मिट्टी का गमला ही खरीदना चाहिए। मिट्टी के गमले में पौधे की ग्रोथ काफी ज्यादा अच्छी होती है। नहीं ऐसे में इन्हें एक जगह से दूसरी जगह ले जाना भी आसान होता है। सही मिट्टी का चयन करें पौधों की ग्रोथ के लिए मिट्टी का चयन करना काफी ज्यादा ज़रूरी है। मिट्टी लेते समय ध्यान रखें कि मिट्टी ना तो ज्यादा हार्ड हो और ना ही ज्यादा चिपचिपा। पौधे लगाने के लिए मिट्टी निम्न प्रकार की होनी चाहिए। इससे पौधे अच्छे उठते हैं। पौधे को समय पर पानी दे पौधों की सही तरीके से ग्रोथ चाहते हैं तो आपको होम गार्डनिंग के दौरान भी पौधों को समय समय पर पानी देते रहना चाहिए। इससे आपके पौधे की ग्रोथ काफी ज्यादा अच्छी होती है। अगर आप इन बातों को फॉलो करते हैं तो आपका हूँ गार्डनिंग करने का सपना पूरा हो सकता है।

सामान की पैकिंग में निकले हुए थर्माकोल का ऐसे करें इस्तेमाल

हम सभी अपने बगीचे को सुंदर बनाने के साथ-साथ पौधों के साथ अलग-अलग डिजाइनर गमले खरीद कर लाते हैं। बाजार में मिलने वाले इन गमलों का रेट इतना ज्यादा होता है कि हर कोई इन्हें खरीद नहीं पाता हैं। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसी तरकीब के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी मदद से आप कम पैसे में इन गमलों को घर पर ही तैयार कर सकती हैं। जी हां घर पर। हम सभी के किचन और लिविंग एरिया के लिए बर्तन या डेकोरेशन आइटम खरीद कर लाते है। क्रॉकरी से लेकर कांच के डिजाइनर आइटम्स को अक्सर दुकानदार पेपर या थर्माकोल से बने बॉक्स में पैक करके देते हैं ताकि इन सामान को लाने-ले जाने में दिक्कत का सामना न करना पड़े। अगर आपके घर पर थर्माकोल का बॉक्स रखा हैं तो आप इसकी मदद से गमले तैयार कर सकती हैं।

थर्माकोल के डिब्बे बनाएं फ्लावर पॉट

ऑनलाइन के अलावा बाजार से भी कांच और फर्नीचर का सामान खरीदने पर अक्सर थर्माकोल के बॉक्स मिलते हैं। क्या आप इसे घर लाने बाद इन बॉक्स को बेकार समझकर फेंक देती हैं। बता दें, कि आप इनका उपयोग कर कई प्रकार का सामान बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इससे गमला बनाने का तरीका

जरूरी सामान

थर्माकोल बॉक्स, पेंट, ग्लू, कैंची

बनाने का तरीका

- गमला बनाने के लिए सबसे पहले बॉक्स को इकट्ठा कर लें। अब इन डिब्बों को अच्छे से साफ कर लें।
- साफ करने इन डिब्बों पर अपना मनपसंद रंग करके पेंट कर सकती हैं।
- आप चाहे तो इसे ऐसे ही इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके अलावा बॉक्स को और सुंदर बनाने के लिए आप इस पर पेंट की मदद से छोटे-छोटे फूल पत्ती का डिजाइन बनाकर सजा सकती हैं।
- इसके बाद इसे धूप में सुखाने के लिए छोड़ दें।
- अब आप इस बॉक्स में मिट्टी भरकर पौधा लगा सकती हैं।
- ध्यान रखें कि थर्माकोल के बॉक्स को पेंट करने के लिए वाटर प्रूफ पेंट का इस्तेमाल करें।

बना सकती हैं ऑर्गेनाइजर

- थर्माकोल बॉक्स की मदद से आप सामान रखने के लिए घर पर ऑर्गेनाइजर तैयार कर सकती हैं। इसके लिए बॉक्स को साफ करके उसमें ग्लू की मदद से न्यूजपेपर को पेस्ट कर दें।
- अब इसे सुखाने के बाद इस पर पेंट की मदद से कलर करके इसे अच्छे से धूप में सुखाएं।
- सामान रखने से पहले पेंट को टच करके चेक करें कि कहीं कलर निकल तो नहीं रहा।
- अब इस में आप कपड़े से लेकर बच्चों के खेलने का सामान भी रख सकती हैं।

कलिंग समाचार

संपादकीय

गुरूवार13 नवंबर 2025

पाठ्यक्रम से हटाकर इतिहास बदलती सरकार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा लिये गये एक हास्यास्पद फैसले में सातवीं कक्षा के पाठ्यक्रम से मुगलों और दिल्ली सल्तनत के अध्याय हटा दिए हैं। भारतीय राजवंशों, महाकुंभ के संदर्भ और %मेक इन इंडिया% और %बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ% जैसी हाल के शासकीय उपक्रमों को नए अध्यायों के रूप में शामिल किया गया है। इसी सप्ताह आई नई पाठ्यपुस्तकों में हुए ये परिवर्तन नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और शालेय शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (एनसीएफएसई) 2023 के अनुरूप बताये गये हैं। हालांकि एनसीईआरटी के अधिकारियों के अनुसार यह किताबों का सिर्फ पहला भाग है। दूसरा भाग जल्दी ही आने की उ मीद है। वैसे अधिकारी यह साफ नहीं कर पाये कि हटाए गए हिस्से दूसरे भाग में शामिल रहेंगे या नहीं। वैसे कोविड–19 के प्रकोप के बाद अध्ययन सामग्री को कम करने के लिये एनसीईआरटी ने भारतीय इतिहास के मुगल काल तथा दिल्ली सल्तनत से जुड़े अध्यायों को पहले से ही संक्षिप्त कर दिया था। इसमें तुगलक, खिलजी, लोदी और मुगल राजवंश के विवरण को संक्षिप्त कर दिया गया था। अब इन्हें पूरी तरह से हटा दिया गया है। एक और बड़े बदलाव के अंतर्गत सामाजिक विज्ञान की किताब %समाज का अध्ययन– भारत और उसके आगे% में मगध, मौर्य, शुंग और सातवाहन जैसे प्राचीन भारतीय राजवंशों पर लिखे गये अध्याय शामिल हुए हैं। इसका उद्देश्य बच्चों को %भारतीय लोकाचार% से परिचित कराना बतलाया गया है। इसी किताब में %भूमि कैसे पवित्र बनती है?% शीर्षक से एक नया अध्याय जोड़ा गया है। इसमें इस्लाम, ईसाई, यहूदी, पारसी, हिंदू, बौद्ध और सिख धर्मों के लिए भारत और बाहर पवित्र माने जाने वाले स्थानों और तीर्थस्थलों की जानकारी दी गयी है। %पवित्र भूगोल% अध्याय में 12 ज्योतिर्लिंग, चार धाम यात्रा और शक्ति पीठ जैसे स्थानों का विवरण है। इस पाठ में देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का एक उद्धरण शामिल है, जिन्होंने भारत को %तीर्थस्थलों की भूमि% बतलाया है। नयी पुस्तक के अनुसार वर्ण–जाति व्यवस्था ने प्रार भ में सामाजिक स्थिरता प्रदान की परन्तु वह बाद में जड़ हो गई। इसके चलते ब्रिटिश शासन के दौरान असमानताएं पैदा हुईं। इसी वर्ष की 14 जनवरी से लेकर 26 फरवरी (महाशिवरात्रि) तक स पन्न हुए उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ पर एक अध्याय का पुस्तक में समावेश किया गया है जिसमें बताया गया है कि आयोजन में 66 करोड़ लोगों ने भाग लिया। वैसे मेले में हुई भगदड़ का ज़िक्र नहीं है जिसमें अनेक तीर्थयात्री मारे गए थे और कई घायल हुए। नई किताब में %मेक इन इंडिया%, %बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ% और %अटल सुरंग पर अध्याय हैं जो 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आई भारतीय जनता पार्टी सरकार के कार्य हैं। इसमें भारतीय संविधान पर भी एक पाठ है। इसमें उल्लेख किया गया है कि एक समय था जब लोगों को अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अनुमति नहीं हुआ करती थी। गौर से देखा जाये ये परिवर्तन बच्चों को भाजपा तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा के अनुरूप ढालने के उद्देश्य से किये गये हैं। स भव है कि आने वाले समय में चरणबद्ध तरीके से अन्य कक्षाओं में भी ऐसे परिवर्तन देखने को मिलें जो नयी पीढ़ी को एक विशिष्ट तरीके से सोचना सिखायेंगे। एक ओर वह मुस्लिम शासकों के कालखंड को भूल जायेगी तो वहीं दूसरी ओर छात्र–छात्राओं को केवल हिन्दू शासकों के बारे में बतलाकर आधी–अधूरी जानकारी दी जायेगी। साथ ही उन्हें संकीर्णता भी सिखायेगी। जिन मेक इन इंडिया व बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रमों को पाठ्यक्रम में जगह दी गयी है, वे दोनों ही नाकाम साबित हुए हैं। एक ओर तो भारत का मैन्युफेक्चरिंग सेक्टर वैसा नहीं बढ़ पाया है जैसा कि दावा किया जाता है, तो वहीं दूसरी तरफ़ पिछले दशक भर में महिलाओं के खिलाफ़ अपराधों में जबर्दस्त बढ़ोतरी हुई हैं। अपराध स बन्धी आंकड़े जारी करने वाली सरकार की ही एजेंसी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का तो यही कहना है।

इस बार टोपी में से जाति गणना निकाली

शकील अख्तर

जनता को एक के बाद एक नए मुद्दे में उलझाना। इसे खुश होकर उनके भक्त कहते हैं कि यह हेडलाइन मैनेजमेंट हैं। खबरों की सुर्खियों में हम ही रहेंगे। टोपी में से कबतूर निकालने का जादू चलता रहेगा। इस बार जब 26 पर्यटकों की पहलगाम में हत्या हुई और लोग इसके जवाब में आतंकवाद का खात्मा मांग रहे थे तो मोदी जी ने टोपी में से जाति गणना निकाल दी।

लड़ाई तो अब शुरु होगी। जाति गणना की राहुल गांधी की मांग को मोदी सरकार को मानना पड़ा। आम जनगणना में इस बार जातिवार गणना भी होगी। मगर गिनती हो जाना ही अपने आप में कुछ नहीं है। दलितों की आदिवासियों की गिनती है। दस साल बाद होने वाली हर जनगणना में होती है। हालांकि मोदी सरकार ने अभी तक जनगणना ही नहीं करवाई। 2021 में होना थी। मगर कोविड के बहाने उसे टाल दिया गया। जबकि 2021 में ही 5 राज्यों बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल, पुदुचेरी के विधानसभा चुनाव करवाए। इससे पहले 2020 में बिहार, दिल्ली के। और 2022 में उत्तर प्रदेश के चुनाव भी हुए। चुनाव कभी नहीं टाले। मगर पांच साल लेट हो गई जनगणना।

जनगणना में सरकार के सामने सबसे बड़ी समस्या यही थी कि वह जाति गणना से कैसे बचे। मोदी सरकार ने उस समय संसद में कहा था कि वह अनुसूचित जाति और जनजाति के अलावा किसी और समुदाय की गणना नहीं करवाएगी। ऐसा ही जवाब उसने एक हलफनामे के जरिए सुप्रीम कोर्ट को दिया था। 2021 के बजट में जनगणना के लिए जो पैसा रखा था उसे केंसिल किया (विलंबित) अगले साल 2022 तक के लिए। अगले साल फिर 2023 तक के लिए। सरकार जाति गणना से बचने के लिए जनगणना को भी अभी तक टालती रही।

मगर अब उसने अचानक यह फैसला ले लिया। इस पर बहुत सारी बातें हैं। सवाल हैं। कि अचानक क्यों?

देश जब पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रहा था। पूरा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा था तब अचानक प्रधानमंत्री मोदी फैसला करते हैं कि हम तो जातिवार गणना कराएंगे।

11 साल से लोगों को बेवकूफ बनाया जा रहा है। जनता जब जो चाहती है उसे वह न देकर दूसरे मामले में उलझा दिया जाता है। बेरोजगार नौकरी मांगते हैं उनसे कहा जाता है कि वह तु हारी भैंस खोल ले जाएंगे। महिलाएं कहती हैं कि आपने तो कहा था– %बहुत हुआ नारी पर वार अबकी बार मोदी सरकार!% तो कहते हैं कि अब तु हारा मंगल सूत्र ले जाएंगे! कुछ भी कह देते हैं। और कुछ नहीं मिला तो कह दिया कि मैं बायलॉजिकल (मां की कोख से जनमा) नहीं हूं। जनता को एक के बाद एक नए मुद्दे में उलझाना। इसे खुश होकर उनके भक्त कहते हैं कि यह हेडलाइन मैनेजमेंट हैं। खबरों की सुर्खियों में हम ही रहेंगे। टोपी में से कबतूर निकालने का जादू चलता रहेगा। इस बार जब 26 पर्यटकों की पहलगाम में हत्या हुई और लोग इसके जवाब में आतंकवाद का खात्मा मांग रहे थे तो मोदी जी ने टोपी में से जाति गणना निकाल दी।

जाति गणना तो बहुत पुरानी मांग है। होना चाहिए थी। मगर इस समय घोषणा कुछ और चाहिए थी। आतंकवाद के खिलाफ। और घोषणा नहीं कार्रवाई। मगर मोदी जी को आदत पड़ गई है बातों से लोगों को बहलाने की। आखिर 11 साल से यही कर रहे हैं। मगर इस बार संभव नहीं लगता।

दो बड़ी बातें हैं। पहली, बार–बार सीमा पार से आकर यहां लोगों को मारे जाने की घटनाएं और उन पर कोई कार्रवाई नहीं होना। पुलवामा में चालीस जवान शहीद, गलवान में बीस जवान और अब पहलगाम में 26 पर्यटक। दूसरी बात, इनके जवाब में जो मोदीजी जो जाति गणना लाए हैं वह उन्हें उलटी पड़ रही है। आरएसएस और भाजपा के मूल विचार यथास्थितिवाद के खिलाफ है। यह दक्षिणपंथी संगठन सामाजिक ढांचे में बदलाव के स त खिलाफ हैं। लेकिन समय की ऐसी बलिहारी है कि देश में सामाजिक ढांचे के बदलाव के आज तक के सबसे बड़े काम की घोषणा मोदी जी के हाथों होना थी। हो गई।

बहुत अच्छा हुआ। सोचिए अगर यह घोषणा राहुल गांधी करते तो क्या होता? 1990 याद कर लीजिए। उसी तरह देश भर में बीजेपी इसके विरोध में हिंसक आंदोलन शुरू कर देती। युवाओं का आत्मदाह याद है! क्या भयावह समय था। वीपी सिंह को आज तक गालियां देते हैं।

मोदी जी की घोषणा से एक लाभ यह जरूर हुआ कि प्रतिक्रियावादी ताकतें मु यत– ओबीसी और दलित आदिवासी के खिलाफ खुल कर नहीं आ पा रही हैं। केवल सोशल मीडिया तक ही सीमित हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर बहुत गंदगी फैलाई जा रही है। मगर वहां कब नहीं फैला रहे थे ये लोग? फर्क बस इतना था कि पहले मुस्लिम के खिलाफ फैला रहे थे और अब पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित, आदिवासी के खिलाफ। मामला पूरा यू टर्न ले गया। अभी तक इस वर्ग को समझा रहे थे कि मुस्लिम तु हारे खिलाफ है। झारखंड के चुनाव में तो इस बार प्रधानमंत्री मोदी ने बोल ही दिया था कि बेटी ले जाएंगे। मगर मजबूरी में जैसे ही जाति गणना की घोषणा की तो सारा नजला पिछड़ा अति पिछड़ा दलित आदिवासी पर गिरने लगा।

उसकी सारी सेवाएं भूल गए कि उनको ही आगे ले जाकर मस्जिदों के बाहर नाचते और नारे लगाते थे। 11 साल में देश में हिन्दू–मुसलमान हवा बनाने के लिए सबसे ज्यादा उपयोग समाज के इस वंचित समाज का ही किया। और अब उसे ही गालियां दी जा रही हैं।

दूसरा बड़ा सेटबैक समाज की उच्च जातियों को भी लगा। आज तक का सबसे बड़ा धक्का। हमला। दिखाते तो इसे भी मुसलमान मुसलमान ही रहे। मगर छीन इसका सारा प्रिवलेज (विशेषाधिकार) लिया। जाति भारत में एक प्रिवलेज की तरह थी। और उसकी सबसे बड़ी रक्षक होने का दावा भाजपा आरएसएस करती थी। मगर पैनिक रिएक्शन (घबराहट) में वह जाति गणना ले आई। इसका कोई फायदा उसे नहीं मिलेगा। दोई दीन से गए ...! इसके आगे नहीं लिख रहे। लोग इस पर भी ऐतराज करने लगे हैं। यह वाला लिख देते हैं कि न खुदा ही मिला न विसाले सनम, न इधर के हुए न उधर के हुए! यह भी हलवा मिला न मांडे के मुकाबले का है।

सवर्ण समझ गया कि वह भी बीजेपी आरएसएस के लिए उपयोग की चीज है। अब पिछड़ा ज्यादा महत्वपूर्ण लगने लगा तो उस पर ही चोट कर दी। और ऐसी चोट की अब वह कभी वर्चस्व की लड़ाई में सं या बल के सामने टिक ही नहीं पाएगा। मोदी को जो वह आंख बंद करके समर्थन दे रहा था वह उसे उलटा पड़ गया। सोशल मीडिया ही आज समाज का आईना बना हुआ है। उस पर तमाम मोदी के समर्थक लिख रहे हैं कि अब उनका समर्थन बंद। बड़ा धोखा हो गया। सही बात है। राहुल करते, अखिलेश करते, तेजस्वी करते तो यह स्वाभाविक माना जाता। वे सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रहे थे। मगर इसे देश को तोड़ने वाला अरबन नक्सल का विचार बताने वाले जब खुद इसको ले आए तो साफ हो गया कि वे लोगों का ध्यान भटकाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। उनकी किसी विचार से कोई प्रतिबद्धता नहीं है। अगर है तो केवल वोट से अपनी सत्ता से। और अब आखिरी बात। कहानी शुरू वहीं से की थी कि अभी सिर्फ घोषणा हुई है।

इसे लागू करवाना और फिर जाति की सं या के आधार पर हिस्सेदारी के लिए पिछड़े, अति पिछड़े दलित आदिवासी को निर्णायक लड़ाई लड़नी होगी। मोदीजी ने तो आज मुद्दा बदलने के लिए इसकी घोषणा कर दी। महिला आरक्षण की भी की थी। नौकरियों की भी, महंगाई कम करने के भी, 15 लाख की भी सबकी। लेकिन लागू क्या हुआ, मिला क्या? अब सोचना पिछड़े दलित आदिवासी को है कि कौन उसे सं या के हिसाब से हिस्सेदारी दिला सकता है? किसके विचारों में वास्तव में सामाजिक न्याय है ?

और कौन सामाजिक न्याय, समानता को समरसता कहकर कमजोर को बलवान के साथ समरस करके मिलाकर रखना चाहता है। समरसता मतलब जो समर्थ कहे उसे मानना। समानता मतलब समर्थ के बराबर सामाजिक रूप से कमजोर का भी अधिकार।

कौन चाहता है युद्ध और क्या हासिल होगा उससे

अनिल जैन

जब हर तरह से युद्ध हमारे लिए हानिकारक है तो फिर इसका विकल्प क्या है? पाकिस्तान की हरकतों और आतंकवाद से हम कैसे निबटें? सवाल महत्वपूर्ण है और इसका जवाब यह है कि हम पाकिस्तान पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका समेत दुनिया के दूसरे देशों से गुहार जरूर करें लेकिन ऐसा करने के पहले हमें इस दिशा में खुद ही पहल करनी चाहिए।

महाभारत के शांतिपर्व में कहा गया है–

%न युद्धात् परमं किंचिद् युद्धं सर्वं न संनादति।

युद्धेन संनादति सर्वं तस्माद् युद्धं परित्यजेत।।

(युद्ध से बढ़कर कोई आपदा नहीं; युद्ध सब कुछ नष्ट कर देता है। इसलिए युद्ध का परित्याग करना चाहिए)।

भारत में जब कभी भी पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवादी जमात की ओर से कोई बड़ा हमला होता है और उसमें बड़ी सं या में लोग मारे जाते हैं तो मीडिया और सोशल मीडिया में युद्ध के ढोल–नगाड़े बजने लगते हैं। इस समय भी यही हो रहा है। पिछले महीने की 22 तारीख को ज मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर पूरा देश क्षुब्ध और उद्वेलित है। चूंकि हमले की जि मेदारी लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े द रसिस्टेंस फ्रंट ने ली है, जिसे पाकिस्तानी सेना और वहां की खुफिया एजेंसी आईएसआई से खाद–पानी मिलता है।

पहलगाम हमले में जो लोग मारे गए हैं, वे सभी मध्यमवर्गीय परिवारों के होंगे। उनमें किसी ने अपना बेटा तो किसी ने पति, किसी ने अपना भाई और किसी ने पिता को खोया है। उन सभी के दर्दनाक तरीके से मारे जाने पर उनके परिवारजनों का दुख और गुस्सा जायज है और उसमें पूरे देश का शामिल होना भी लाजिमी है। फिर भी कॉरपोरेट घरानों से नियंत्रित टीआरपी–पिपासु टीवी चैनल भारतीय जन–मन के क्षोभ, शोक और आक्रोश का निर्लज्जता के साथ व्यापार कर रहे हैं। जिस दिन पहलगाम में हमला हुआ उस दिन से आज तक दिल्ली और मुंबई स्थित टीवी चैनलों पर तीतर–बटेर छाप बहसों में रक्षा विशेषज्ञों के तौर पर शामिल रक्षा तथा विदेश मंत्रालय, सेना एवं खुफिया सेवाओं के पूर्व अफसर जनाक्रोश को युद्धोन्माद में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। टीवी चैनलों के मूर्ख एंकर–एंकरनियां भी वीर बालकों की मुद्रा में उनके सुर में सुर मिला रही हैं। युद्धोन्माद पैदा करने के लिए इन टीवी चैनलों ने चंद पैसों पर आसानी से उपलब्ध हो जाने वाले पाकिस्तान के भी कुछ नेताओं, पूर्व नौकरशाहों, पूर्व सैन्य अफसरों को हायर कर रखा है।

ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। दरअसल ये रक्षा विशेषज्ञ किसी भी आतंकवादी हमले के बाद टीवी चैनलों के वातानुकूलित स्टूडियो में बैठकर पाकिस्तान को युद्ध के जरिये सबक सिखाने का सुझाव देते हैं और साथ ही यह रुदन भी कर डालते हैं कि भारतीय सेना के पास संसाधनों का अभाव है। अपनी ऐसी बातों से यह लोग आम लोगों पर यही प्रभाव छोड़ने की कोशिश करते हैं कि वे बहुत बहादुर और देशभक्त हैं, लेकिन बात इतनी सीधी नहीं है। दरअसल यह मामला उच्च तकनीक वाले हथियारों के अंतरराष्ट्रीय कारोबार से जुड़ा है। भारत हथियारों का बहुत बड़ा खरीदार है, लिहाजा हथियार बनाने वाली कई विदेशी कंपनियों के हित भारत से जुड़े हैं। भारतीय सेना, सुरक्षा एजेंसियों, विदेश सेवा और रक्षा महकमे के कई पूर्व अफसर इन कंपनियों के परोक्ष मददगार होते हैं। यह कंपनियां ऐसे लोगों को उनके रिटायरमेंट के बाद अनौपचारिक तौर पर अपना सलाहकार नियुक्त कर लेती हैं। ये लोग इन कंपनियों के हथियारों की बिक्री के लिए तरह–तरह से माहौल बनाने का काम करते हैं। देश में युद्धोन्माद पैदा करना और सेना में संसाधनों का अभाव बताना भी उनके इसी उपक्रम का हिस्सा है। कहने की आवश्यकता नहीं कि इन लोगों को इस काम के लिए हथियार कंपनियों से अच्छा खासा %पारिश्रमिक% मिलता है।

तो देशभक्ति के नाम यह इनका अपना व्यापार है जो इन दिनों जोरों पर चल रहा है। युद्ध का माहौल बनाने में जुटे कुछ टीवी चैनलों ने तो यह भी बता दिया है कि दोनों देशों के बीच युद्ध में अगर परमाणु युद्ध हथियारों का इस्तेमाल होता है तो पाकिस्तान का नुकसान ज्यादा होगा, वह तबाह हो जाएगा, दक्षिण एशिया का भूगोल बदल जाएगा आदि–आदि। कुछ चैनल सुझा रहे हैं कि भारत युद्ध न भी करें तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर आतंकवादियों के शिविर नष्ट कर दे। हालांकि भारत की ओर से ऐसी कार्रवाइयां पिछले 27 वर्षों में 11 बार हो चुकी हैं, जिनमें से दो बार तो मोदी सरकार के दौर में ही हुई हैं, तो भी पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान और उसके द्वारा पोषित आतंकवादियों के मनसूबों पर इसका कोई असर नहीं हुआ है।

भारतीय सत्ता प्रतिष्ठान का यह मुगालता पुराना है कि अमेरिका भारत का दोस्त है। इससे भी बड़ा मुगालता मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप उनके व्यक्तिगत दोस्त है। हमारे कॉरपोरेट घरानों, कॉरपोरेट पोषित मीडिया और देश के उच्च मध्यम वर्ग के मन में भी अमेरिका के प्रति अगाध श्रद्धा है। ऐसे सभी लोगों के लिए क्या यह सूचना महत्वपूर्ण नहीं है कि अमेरिका ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा तो की है, लेकिन राष्ट्रपति ट्र प ने साथ में यह भी कहा है कि भारत और पाकिस्तान दोनों ही उनके करीबी हैं और दोनों खुद ही इस मसले को हल कर लेंगे। जाहिर है कि अमेरिका ने खुद को इस मामले से अलग रखने का इरादा जता दिया है। इसकी वजह यह है कि हथियार खरीदी के मामले में पाकिस्तान भी अमेरिका का कोई छोटा ग्राहक नहीं है। इसके अलावा कई मौकों पर पाकिस्तानी सैन्य अड्डों का इस्तेमाल भी वह करता रहा है। जहां तक चीन का सवाल है, उसके तो और भी ज्यादा हित पाकिस्तान के साथ जुड़े हुए हैं। उसने भी पहलगाम हमले की निंदा तो की है लेकिन पाकिस्तान को अपना मजबूत दोस्त और रणनीतिक भागीदार भी बताकर स्पष्ट कर दिया है कि युद्ध जैसी स्थिति में वह क्या करेगा। रूस की प्रतिक्रिया भी भारत के लिए आश्वस्तकारी नहीं है। तुर्की, ईरान, सऊदी अरब सहित कई मुस्लिम देश तो खुल कर पाकिस्तान के साथ हैं। यहां तक कि भारत के छोटे–छोटे पड़ोसी देश भी इस मामले में भारत से दूरी बनाए हुए हैं। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत–पाकिस्तान युद्ध की स्थिति में कौन किसके साथ रहेगा!

कुल मिलाकर युद्ध हमारे लिए बुरी तरह घाटे का सौदा साबित होगा। पाकिस्तान भले ही हमारी तरह परमाणु शक्ति संपन्न है लेकिन वह निहायत ही उद्दण्ड और गैरजि मेदार मुल्क भी है। आर्थिक तौर पर तो वह बर्बाद है ही। उसके पास अपने बेगुनाह अवाम के अलावा खोने को भी कुछ खास नहीं है। इसलिए उसके साथ युद्ध की स्थिति में जो भी कुछ बिगड़ना है वह भारत का ही बिगड़ना है।

सवाल उठता है कि जब हर तरह से युद्ध हमारे लिए हानिकारक है तो फिर इसका विकल्प क्या है? पाकिस्तान की हरकतों और आतंकवाद से हम कैसे निबटें? सवाल महत्वपूर्ण है और इसका जवाब यह है कि हम पाकिस्तान पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका समेत दुनिया के दूसरे देशों से गुहार जरूर करें लेकिन ऐसा करने के पहले हमें इस दिशा में खुद ही पहल करनी चाहिए, जो कि भारत सरकार ने पहलगाम हमले के बाद की भी है। भारत की इस पहलकदमी से आने वाले समय में पाकिस्तान पर निश्चित रूप से दबाव बनेगा। अलबत्ता इन कदमों से अदानी, अंबानी और जिंदल जैसे हमारे यहां के कुछ उद्योग समूहों के हित जरूर प्रभावित हो सकते हैं, जिनके कारोबारी रिश्ते गहरे तौर पर पाकिस्तान और वहां के सत्ता प्रतिष्ठान से ताल्लुक रखने वाले लोगों के साथ जुड़े हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ अपने स्तर पर की जा सकने वाली इस तरह की राजनयिक और आर्थिक नाकेबंदी के साथ ही हमें अपनी सुरक्षा व्यवस्था और खुफिया तंत्र को भी चाक–चौबंद करने के उपाय करने चाहिए। हर आतंकवादी हमले के बाद इस मोर्चे पर हमारी कमजोरियां उजागर होती हैं और सरकार की ओर से इन कमजोरियों को दुरुस्त करने की बातें भी होती हैं, लेकिन होता कुछ नहीं है। पहलगाम हमले में भी यह कमजोरी साफ तौर पर उभरकर सामने आई है। इससे पहले उड़ी, पठानकोट एयरबेस और पुलवामा में हुए आतंकवादी हमले भी हमारी इन्हीं कमजोरियों के परिणाम थे। इन कमजोरियों को दूर किए बगैर अगर हम पाकिस्तान का रण–निमंत्रण स्वीकार कर भी लें तो उससे मसले का कोई स्थायी हल नहीं निकल सकता। आखिरकार हम पाकिस्तान की तुलना में कहीं ज्यादा स य देश हैं। ऐसे ही मौकों पर हमारी स यता का इ तिहान होता है, जब हम उकसावे में आए बगैर अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए अपने मूल्यों को बनाए रखें। युद्ध नहीं, शांति और सह–अस्तित्व ही हमारी स यता का आधार है।

विविध समाचार

अब वर्ष में दो बार होगा स्कूलों का सर्टिफिक्रेशन और शिक्षकों का मूल्यांकन

रांची १२/११ (संवाददाता):समग्र शिक्षा अभियान के तहत सरकारी स्कूलों का सर्टिफिक्रेशन और शिक्षकों का आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण के लिए मूल्यांकन अब वर्ष में दो बार होगा। साथ ही पहली बार इसकी जि मेदारी निजी एजेंसी को दी जाएगीए जिसके लिए झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। निजी एजेंसी को दोनों कार्यक्रमों की जि मेदारी पांच वर्ष के लिए दी जाएगी।

दोनों कार्यक्रम प्राथमिकए उच्च प्राथमिकए माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्कूलों तथा उनके शिक्षकों के लिए संचालित किए जाएंगे।

दोनों कार्यक्रमों का उद्देश्य सरकारी स्कूलों की भौतिक स्थिति तथा बच्चों को दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता का आकलन करना तथा शिक्षकों का मूल्यांकन कर इसकी पहचान करना है कि उन्हें किस प्रकार के प्रशिक्षण की आवश्यकता है।स्कूल सर्टिफिक्रेशन कार्यक्रम के तहत पांच वर्ष में कुल सात हजार सरकारी स्कूलों का दो बड़े मानकों पर प्रमाणीकरण किया जाएगा। इनमें पहला स्कूलों में पढ़नेवाले बच्चों के लर्निंग आउटकम तथा दूसरा स्कूलों में उपलब्ध संसाधनोंए साफसफाई तथा अनुशासन आदि सि मलित हैं।स्कूलों का प्रमाणीकरण छमाही मूल्यांकन अर्थात वर्ष में दो बार मूल्यांकन कर किया जाएगाए जिसके तहत स्कूलों को स्वर्णए रजत एवं कांस्य प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। स्कूलों के प्रदर्शन के आधार पर ही संबंधित प्रखंड संसाधन केंद्रों ;बीआरसीद्ध का प्रमाणीकरण होगा।प्रत्येक वर्ष 1ए400 ;प्रत्येक राउंड में 700 स्कूलद्ध स्कूलों का प्रमाणीकरण होगा। इसके तहत 60 प्रतिशत वेटेज बच्चों के लर्निंग आउटकम तथा 40 प्रतिशत वेटेज संस्थागत गुणवत्ता मानकों पर दिया जाएगा। इसी तरहए शिक्षकों का आवश्यक आधारित मूल्यांकन किया जाएगा ताकि पता चल सके कि उन्हें किस प्रकार के प्रशिक्षण की आवश्यकता है। प्रत्येक वर्ष 1ए35 लाख शिक्षकों के मूल्यांकन का लक्ष्य रखा गया है।

गढ़वा के एक अस्पताल में अचानक पहुंच गए अफसर, डॉक्टर सहित कई कर्मचारी रहे ड्यूटी से गायब, वेतन काटने का दिया आदेश

गढ़वा १२/११ (संवाददाता):साल के अंतिम दिन मंगलवार को सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार पूरे फार्म में दिखे।

डॉ. अशोक कुमार मंगलवार की सुबह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीएल रजिस्टरए उपस्थिति पंजी और अस्पताल में ड्यूटी में तैनात चिकित्सक और अन्य अस्पताल कर्मियों बारे में ड्यूटी से संबंधित बारी.बारी से जानकारी ली।जांच के दौरान सीएस ने पाया कि आयुष चिकित्सक डॉ. अभिनीत विश्वास द्वारा 27 दिसंबर को लिखे सीएल केआवेदन पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉण् दिनेश सिंह ने सात दिन पहले 20 दिसंबर से ही छुट्टी स्वीकृत कर दी है। इसी प्रकार प्रधान लिपिक अरुण लकड़ा पिछले तीन दिनों से ड्यूटी से गायब मिले।नेत्र चिकित्सक डॉ. सोनी कुमारी 28 दिसंबर से

बिना सीएल के ही गायब हैं। एमपीडब्ल्यू गुप्तेश्वर प्रसाद तीन दिनों ड्यूटी से गायब पाए गए। डॉ. एमडी फैज तथा प्रिंस कुमार सोमवार से ही ड्यूटी से गायब हैं.

लेकिन उन दोनों का सीएचसी के उपस्थिति पंजी में मंगलवार का एडवांस उपस्थिति बना हुआ मिला।इसी प्रकार उन्होंने पाया कि कैलान में आदिम जनजाति का चार सौ घर हैं। लेकिन डॉण् सुभग सिंह द्वारा घर घर न जाकर शिविर के माध्यम से ग्रामीणों का इलाज किया जा रहा है।

इसकी जानकारी के बाद सिविल सर्जन भड़क उठे। उन्होंने उक्त चिकित्सक को अपने साथ कैलान के आदिम जनजाति बहुल गांव ले जाकर चिकित्सक की भौतिक कार्यों की सत्यापन की।

इस निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों एवं कर्मियों का सीएल रजिस्टर मांगे जाने पर लिपिक सुनील पटेल द्वारा गोदरेज की चाबी नहीं होने की बात कह पल्ला झाड़ दिया। फार्मासिस्ट अजीत कुमार के आधे घंटे देर से ड्यूटी पर पहुंचे।

सीएस ने कारण पूछा तो उसने बाइक पंचर होने की बात कही।जब सीएस ने हड़काया तो फार्मासिस्ट ने उसने गिड़गिड़ाते हुए आगे से ससमय ड्यूटी पर आने का बात कह माफी मांगी। वहींए एमटी का इंचार्ज विद्यानंद प्रजापति से मलेरिया का इंट्री डाटा की मांग किए जाने के बाद घर पर रजिस्टर होने का हवाला दिया। जिस पर सीएस ने घर से रजिस्टर लाकर दिखाने की बात कही।सीएचसी भवनाथपुर में पदस्थापित आयुष चिकित्सक डॉ. जेपी ठाकुर को सदर अस्पताल गढ़वा से विरमित करते हुए पुनः सीएचसी भवनाथपुर में भेजने की बात कही।

जांच के दौरान सीएचसी में ड्यूटी से अनुपस्थित आधा दर्जन से अधिक चिकित्सकों तथा कर्मियों की हाजिरी काटी। उनके द्वारा जिनकी हाजिरी काटी गई है, उनमें एलटी कृष्णा चौधरी का तीन दिन, ओटी उपेंद्र राम तीन दिन, डॉ. अनुपमा तीन दिन, नीतीश भारती का तीन दिन, एमपीडब्ल्यू गुप्तेश्वर प्रसाद का तीन दिन, अरुण लकड़ा का तीन दिन की हाजिरी शामिल है। सिविल सर्जन ने उक्त सभी से स्पष्टीकरण की भी मांग की है।

आज का राशिफल

मेष – आज के दिन धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्तियाँ विशेष रहेंगी। मन में द्विधा रहने से ठोस निर्णय नहीं ले सकेंगे। पैसे की लेन-देन या आर्थिक व्यवहार न करने की गणेशजी की सलाह है।

वृषभ – गणेशजी कहते हैं कि व्यापार में वृद्धि होने के साथ व्यापार के स बंध में सौदे लाभदायक साबित होंगे। आय के साधनों में वृद्धि होगी। बुजुर्गों तथा मित्र मंडल से लाभ और सुखद क्षणों का अनुभव मिलेगा।

मिथुन – शारीरिक और मानसिक सुख बने रहेंगे। नौकरी – व्यवसाय में आपके परिश्रम का मुआवजा मिलता हुआ प्रतीत होगा। अधिकारी वर्ग के प्रोत्साहन से आपका उत्साह बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क – गणेशजी कहते हैं कि आज आपकी भाग्य वृद्धि के साथ आकस्मिक धन लाभ होगा। विदेश जाने के इच्छुक लोगों के प्रयास सफल होंगे। तथा विदेश से अच्छे समाचार आएँगे।

सिंह – आज आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना रहेगा। तबीयत के पीछे धन खर्च होने की संभावना है। निषेधात्मक विचार आपको गलत मार्ग पर न ले जाए, उसका ध्यान रखने के लिए गणेशजी कहते हैं।

कन्या – गणेशजी की कृपा से दांपत्यजीवन के सुखद क्षणों का अनुभव करेंगे। सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में आप याति और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। मनोरंजन की प्रवृत्तियों में भाग लेंगे। वस्त्राभूषण और वाहन की खरीदी होगी।

तुला – गणेशजी कहते हैं कि सामान्ज रूप से आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और बीमार व्यक्ति के भी तबीयत में सुधार होगा। घर में सुख- शांति के वातावरण में आप समय व्यतीत करेंगे। कार्य में सफलता और यश मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

वृश्चिक – आज यात्रा प्रवास का आयोजन न करने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य के स बंध में चिंतित रहेंगे। संतानों के स बंध में समस्याएँ खड़ी होंगी। स्वाभिमान भंग न हो इसका ध्यान रखें।

धनु – गणेशजी कहते हैं कि आज आपको अत्यधिक संवेदनशीलता के कारण और घरेलू मामलों को लेकर मानसिक तनाव खड़े होने की संभावना है। मन में उठनेवाली द्विधाओं से आप मानसिक उचाट अनुभव करेंगे।

मकर – आज आप रणनीति में शत्रुओं को परास्त करेंगे। नए कार्यों के आरंभ के लिए तैयार रहें। सफलता मिलेगी। आप हरेक कार्य तन-मन से स्वस्थ रहकर करेंगे। व्यापार-धंधे में लाभ होगा।

कुंभ – गणेशजी बताते हैं कि मन में द्विधाएँ खड़ी होने से आप कोई ठोस निर्णय पर नहीं पहुँच सकेंगे। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। वाणी पर संयम नहीं रहनेसे पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होने की संभावना है।

मीन – आनंद- उत्साह और तन-मन की प्रसन्नता आपके दिन में चेतना और स्फूर्ति का संचार करेंगे। नए कार्य हाथ में लेंगे तो उसमें सफलता मिलेगी। धार्मिक मांगलिक प्रसंगों में जाएँगे।

रामगढ़ और कोडरमा में एक बच्चे को भी छात्रवृत्ति नहीं मिलने पर नाराज हुए मंत्री

रांची १२/११ (संवाददाता): कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने रामगढ़ और कोडरमा जिले में प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति वितरण में शून्य प्रगति पर नाराजगी प्रकट की है। मंगलवार को छात्रवृत्ति और साइकिल वितरण की समीक्षा में इन दोनों जिलों में बच्चों को छात्रवृत्ति के भुगतान नहीं होने का मामला सामने आया।

इसपर मंत्री ने जिला कल्याण पदाधिकारियों को तीन दिनों में छात्रवृत्ति का भुगतान करने के स त निर्देश दिए। तीन दिनों में भुगतान नहीं होन पर जि मेदार पदाधिकारियों और कर्मियों के जनवरी माह से रोक लगाने के निर्देश दिए।

मंत्री ने मोरहाबादी स्थित कल्याण कांप्लेस में सभी जिलों

के कल्याण पदाधिकारियोंए आइटीडीए के परियोजना निदेशक तथा प्रमंडलीय उप निदेशकों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विद्यार्थियों के बीच साइकिल तथा छात्रवृत्ति वितरण के कार्य प्रगति की जिलावार समीक्षा की।इस दौरान उन्होंने रामगढ़ तथा कोडरमा सहित सभी जिलों को तीन दिनों में छात्रवृत्ति का भुगतान करने को कहा। उन्होंने छात्रवृत्ति वितरण में कोताही बरतनेवालों के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी भी दी।मंत्री ने सभी जिलों को चार जनवरी तक प्री मैट्रिक से संबंधित सभी लंबित छात्रवृत्ति भुगतान के मामलों का निपटारा प्राथमिकता के साथ करने को कहा। कहाए कल्याण विभाग के अंतर्गत काम करनेवाले सभी पदाधिकारी और कर्मचारी यह समझें कि वे सामाजिक कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पदाधिकारी समस्या नहीं बल्कि समाधान का रास्ता निकालें। बैठक में विभागीय सचिव कृपानंद झाए आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आनेवाले माह फरवरी के अंत तक पोस्ट.मैट्रिक छात्रवृत्ति राशि वितरण के सभी मामलों को पूरा कर ली जाए।

उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति वितरण कल्याण विभाग का एक महत्वपूर्ण कार्य है। अध्ययनरत विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति राशि मिलने से उन्हें शैक्षणिक पाठ्यक्रमों तथा परीक्षा की तैयारी में मदद मिलती है।

मंत्री ने जनवरी माह के अंत तक साइकिल वितरण का कार्य पूरा करने की समय सीमा भी निर्धारित की है। उन्होंने कहा कि साइकिल वितरण योजना का उद्देश्य कक्षा आठ उत्तीर्ण करनेवाले विद्यार्थियों का ड्राप आउट रोकना है। इसे ध्यान में रखकर साइकिल का वितरण समय पर हो।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आनेवाले दिनों में भी सत्र प्रारंभ होने के साथ ही विद्यार्थियों को साइकिल उपलब्ध कराने का कार्य योजना तैयार रखें। किसी भी हाल में साइकिल वितरण कार्य में विलंब नहीं होना चाहिए।

अब सरकारी डॉक्टरों के भरोसे नहीं रहेंगे मरीज, झारखंड वासियों को नए साल में बड़ा गिफ्ट देने जा रही हेमंत सरकार

रांची १२/११ (संवाददाता): नव वर्ष 2025 में राज्य में ऐसी दो बड़ी योजनाएं मूर्त रूप लेंगीए जिनके पूरी तरह लागू होने से रि स सहित अन्य सरकारी अस्पतालों पर निर्भरता कम होगी। इनमें एक राज्य कर्मियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना हैए जो जनवरी माह में ही लॉन्च होगी।

इसके माध्यम से राज्य के विभिन्न विभागोंए कार्यालयों एवं बोर्ड.निगमों में कार्यरत लगभग 10 लाख राज्य कर्मियों और पेंशनरों को पांच से दस लाख रुपये तक निश्शुल्क इलाज सूचीबद्ध अस्पतालों में हो सकेगा।

दूसरेए मु यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य योजना भी पूरी तरह क्रियान्वित होगीए जिसके तहत लाभुक परिवारों का अब पांच लाख के बजाय 15 लाख रुपये तक निश्शुल्क इलाज होना है। इन दोनों महत्वाकांक्षी योजनाएं से राज्य की बड़ी आबादी कवर हो जाएगीए बशर्ते इनका अनुपालन सही तरीके से हो सके।

राज्य सरकार ने ऐसी नीति भी लागू की हैए जिसके तहत अब सरकारी अस्पताल चिकित्सक नहीं होने का बहाना नहीं बना सकते। सिविल सर्जनों को आर्थिक शक्तियां दी गई हैंए जिससे वे निजी विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवा ले सकते हैं। इसके लिए प्रतिवर्ष की राशि भी निर्धारित की गई है।

राज्य सरकार की नीति सदर अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में ऑपरेशन की सुविधा बहाल करने की भी है।

रांची सदर अस्पताल ने इसमें बेहतर काम किया तो इसकी तर्ज पर पांच अन्य जिलों में भी सदर अस्पतालों या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को विकसित करने का निर्णय लिया गया है।

गिरिडीह के गांडेयए साहिबगंज के बरहेटए जामताड़ा सदर के अलावा दो अन्य जिलों का चयन होना है। राज्य में सबसे बड़ी समस्या चिकित्सकों की कमी की हैए जिसे दूर करने के लिए रांची में रि स की तर्ज पर एक अन्य मेडिकल कालेज कांके के रिनपास परिसर में खोले जाने का निर्णय लिया गया है।

बोकारोए कोडरमा और चाईबासा में पहले से इसपर काम चल रहा है। वर्ष 2025 में कोडरमा मेडिकल कालेज का निर्माण पूरा हो सकता है।

केंद्र ने चालू वित्तीय वर्ष में ही खूंटी और गिरिडीह में मेडिकल कालेज खोलने की योजना की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस योजना पर भी नए वर्ष में तेजी से काम होने की उ मीद है।

स्वास्थ्य विभाग एक ऐसे पोर्टल के निर्माण पर काम कर रहा हैए जिसके तहत न केवल सरकारी बल्कि निजी क्षेत्र में क्रय.विक्रय की जानेवाली दवा पर आनलाइन निगरानी की जा सकेगी।

वर्तमान में निजी क्षेत्र में बिक्री की जानेवाली दवा की निगरानी तो दूर सरकारी क्षेत्र में आपूर्ति की जानेवाली दवा की भी निगरानी नहीं हो पाती। अब इसके लिए तंत्र विकसित होने से नकली दवा की बिक्री और आपूर्ति पर रोक लग सकेगी।

मेले से लौट रहे 2 साइकिल सवारों को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, 1 बच्चे की मौत

सरायके ला१२/११ (संवाददाता): सरायकेला-खरसावां जिले के चौका थाना क्षेत्र के बंसा में हुई सड़क दुर्घटना में 1 व्यक्ति की मौत हो गई। दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया गया कि दोनों लोग साइकिल से मेला देखकर लौट रहे थे। इसी दौरान यह अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। इसमें 12 वर्षीय मासूम हीरा महतो की मौके पर ही मौत हो गईए जबकि धीरेन महतो गंभीर रूप से घायल हो गए। इसे इलाज के लिए जमशेदपुर के डळड अस्पताल में भर्ती किया गया है दोनों पालगम के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव के साथ सड़क जाम कर दिया। मामले की जानकारी मिलते ही चौका थाना पुलिस मौके पर पहुंची। सड़क जाम कर रहे लोगों को समझाकर किसी तरह यातायात शुरू कराया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि इलाके में सड़क दुर्घटनाओं में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। इसके बावजूद इसकी रोकथाम के लिए कोई कार्रवाई नहीं हो रही। पुलिस की ओर से कहीं भी बड़े वाहनों के आवागमन के बारे में समुचित जांच नहीं की जा रही। लिहाजा बड़े वाहन कहीं भी लोगों को टक्कर कर निकल रहे हैं। पुलिस की ओर से आश्वासन दिया गया कि जल्द ही घटना को अंजाम देने वाले वाहन के बारे में जानकारी एकत्र कर ली जाएगी। स्थानीय लोग पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की मांग कर रहे थे।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

आरएसपी में परियोजना निष्पादन कौशल को बढ़ाने के लिए मौलिक परियोजना प्रबंधन कार्यशल शुरू

राउरकेला १२/११ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के मानव संसाधन विकास केंद्र में मौलिक परियोजना प्रबंधन पर एक कार्यक्रम की शुरुआत हुई । कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन), श्री तरुण मिश्र ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की ड्ड आईएसपी के पूर्व कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएँ), श्री ए आ. दासगुप्ता एवं मु य महाप्रबंधक (एचआर-एलएंडडी), श्री पी के साहू ने भी उनके साथ मंच साझा किया ड्ड इस चार दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों में परियोजनाओं की प्रभावी योजना बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल का विकास करना है। आरएसपी, भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी), बोकारो स्टील लिमिटेड (बीएसएल), दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (डीएसपी) के 27 अधिकारी इस चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर बोलते

हुए, श्री मिश्र ने संगठनात्मक उत्कृष्टता प्राप्त करने में व्यवस्थित परियोजना प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों से सेल संयंत्रों में परियोजना परिणामों में सुधार के लिए इस सीख का लाभ उठाने का आग्रह किया।इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को परियोजना के विभिन्न चरणों, अवधारणा से लेकर कमीशनिंग तक, से परिचित कराना और इसमें शामिल विभिन्न एजेंसियों की भूमिकाओं और जि मेदारियों को समझने में उनकी मदद करना है। यह उन्हें परियोजनाओं की कुशलतापूर्वक योजना बनाने और उनका प्रबंधन करने में सक्षम बनाने पर भी केंद्रित है, जिसमें निविदा, अनुबंध निर्माण, समय-निर्धारण, संसाधन नियोजन, निगरानी और विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय जैसे पहलू शामिल हैं। इन सत्रों में परियोजना प्रबंधन अवधारणाएँ और अ यास, सेल में परियोजना प्रबंधन, विज़न 2030= आधुनिकीकरण और विस्तार योजनाएँ, परियोजना मूल्यांकन, निविदा और अनुबंध निर्माण, परियोजना निष्पादन (साइट प्रबंधन, कमीशनिंग और स्थिरीकरण), परियोजनाओं का समापन, परियोजना समय-निर्धारण और निगरानी, परियोजना प्रबंधन में डिजिटल तकनीकों का उपयोग और परियोजना सुरक्षा प्रबंधन सहित कई विषयों पर चर्चा की जा रही है। व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए परियोजना नियोजन, निष्पादन, निगरानी, नियंत्रण और समापन पर केस स्टडी पर भी चर्चा की जा रही है। यह कार्यक्रम परियोजना निष्पादन में सुरक्षा सुनिश्चित करने और सफल परियोजना समापन के लिए स्थापित प्रक्रियाओं और दिशानिर्देशों का पालन करने हेतु प्रभावी दृष्टिकोण अपनाने के महत्व पर ज़ोर देता है। चल रहे सत्र प्रतिभागियों को व्यवस्थित परियोजना प्रबंधन प्रथाओं की अपनी समझ बढ़ाने और प्रभावी परियोजना निष्पादन के माध्यम से संगठनात्मक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण विकसित करने में मदद कर रहे हैं।

इन सत्रों का संचालन आईएसपी के पूर्व कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएँ), श्री ए आ. दासगुप्ता, बीएसएल के महाप्रबंधक (परियोजनाएँ), श्री सुधीर कुमार, बीएसएल के मु य महाप्रबंधक (परियोजनाएँ) श्री प्रत्यूष शर्मा, आरएसपी की मु य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ), सुश्री आशा कार्था और आरएसपी के मैन्सिकॉम (ह्रस्ङ्क्षष्टह्रू) के एक विशेषज्ञ द्वारा किया जा रहा है। सेल के एमटीआई के महाप्रबंधक (मानव संसाधन एलएंडडी), श्री श्रीमंत कुमार मल्लिक ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया । महाप्रबंधक (मानव संसाधन-एल एंड डी), श्री एम के अग्रवाल ने कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का समन्वयन किया।

कोरापुट के सुनाबेडा में बाघ दिखने की संभावना से दहशत, ट्रैप कैमरे लगाए गए

कोरापुट १२/११ (संवाददाता): जिले के सुनाबेड़ा कस्बे में एक अज्ञात जंगली जानवर, जिसके बारे में शुरू में बाघ होने की अफवाह थी, के मानव बस्तियों के पास घूमते हुए कथित तौर पर दिखाई देने वाले वीडियो वायरल होने के बाद दहशत फैल गई है। सेमीलीगुडा वन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इस जानवर के देखे जाने से निवासियों में चिंता बढ़ गई है, जिसके बाद वन विभाग ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है। वीडियो के प्रसार के बाद, सुनाबेड़ा में विभिन्न स्थानों पर ट्रैप कैमरे लगाए गए। वन कर्मचारियों ने देर रात लगभग 11:40 बजे तक इन कैमरों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की और जानवर की किसी भी गतिविधि पर नज़र रखने के लिए रात्रि गश्त की। हालाँकि, वन विभाग ने अभी तक अपने कैमरों में जानवर की कोई तस्वीर कैद नहीं की है।

प्रजाति पर अनिश्चितता रिपोर्टों के अनुसार, वायरल फुटेज के बावजूद, वन विभाग ने कहा है कि यह स्थापित नहीं हो पाया है कि जानवर तेंदुआ है या लकड़बग्घा। अधिकारियों ने यह भी पुष्टि की है कि रिपोर्टिंग के समय कोई पगमार्क नहीं मिले थे, जिससे प्रजाति की पुष्टि करना मुश्किल हो गया है। वीडियो के आधार पर ही शुरुआती आशंका जताई गई थी कि यह तेंदुआ हो सकता है, लेकिन अधिकारियों के बीच आंतरिक चर्चा में यह भी संभावना जताई गई है कि यह रॉयल बंगाल टाइगर की बजाय लकड़बग्घा हो सकता है। वन अधिकारियों ने बताया कि आगे की कार्रवाई ट्रैप कैमरों की फुटेज के ज़रिए जानवर की पहचान पर निर्भर करेगी। सूत्रों के अनुसार, तब तक प्रभावित इलाकों में निगरानी जारी रहेगी। निवासियों में चिंता बनी हुई है हालाँकि अभी तक इस प्रजाति की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन वायरल वीडियो ने इलाके में दहशत का माहौल बना दिया है। वन विभाग द्वारा जानवर का पता लगाने और उसकी पहचान करने के प्रयासों के बीच, निवासियों में चिंता बनी हुई है।

आयकर विभाग ने बीजद नेता मनोज मिश्रा के नुआपाड़ा स्थित आवास पर छापा मारा

नुआपाड़ा १२/११ (संवाददाता): आयकर विभाग (आई-टी) ने नुआपाड़ा ज़िले में बीजू जनता दल (बीजद) नेता और कोमना ब्लॉक के पूर्व अध्यक्ष मनोज मिश्रा के आवास पर व्यापक छापेमारी की।

सुबह-सुबह शुरू हुई यह छापेमारी वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में दिन भर जारी रही। सूत्रों के अनुसार, आयकर विभाग की टीम सुबह लगभग 6 बजे मिश्रा के कोमना स्थित आवास पर पहुँची और तुरंत वित्तीय रिकॉर्ड, दस्तावेज़ों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की गहन जाँच शुरू कर दी। मिश्रा, जो बीजद की नुआपाड़ा ज़िला इकाई के महासचिवों में से एक भी हैं, छापेमारी शुरू होने के समय मौके पर मौजूद थे।सूत्रों ने बताया कि आयकर अधिकारियों ने कार्रवाई के दौरान अनधिकृत आवाजाही को रोकने के लिए प्रवेश द्वार को सील कर दिया था। तलाशी

दल ने बैंक से संबंधित दस्तावेज़ों, संपत्ति के कागजात और संभावित नकदी की भी जाँच की।

हालाँकि छापेमारी के पीछे का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन अधिकारियों ने संकेत दिया है कि यह कार्रवाई कथित वित्तीय अनियमितताओं की एक व्यापक जाँच का हिस्सा थी।

इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस तैनात की गई है। घर के पास तमाशबीनों की भीड़ जमा हो गई, लेकिन स्थिति नियंत्रण में रही।

ताज़ा रिपोर्टों के अनुसार, आयकर विभाग ने कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है और न ही यह बताया है कि कोई सामग्री ज़ब्त की गई है या नहीं। हाल ही में हुई एक और तलाशी के बाद छापेमारी मिश्रा के घर पर यह छापेमारी वरिष्ठ बीजद नेता और पूर्व मंत्री प्रीतिरंजन घराई के खरियार रोड स्थित आवास पर इसी तरह की कार्रवाई के बाद हुई है।

इस छापेमारी में दो मजिस्ट्रेट और लगभग 40 पुलिसकर्मी तैनात थे।इसके बाद बीजद समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया और तलाशी के पीछे राजनीतिक मंशा होने का आरोप लगाया। इस हालिया छापेमारी ने नुआपाड़ा में एक बार फिर राजनीतिक बहस छेड़ दी है, खासकर इसलिए क्योंकि आज 11 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए प्रचार का आखिरी दिन है।

हालाँकि जाँच की प्रकृति की अभी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन अधिकारियों ने बताया कि मिश्रा के घर पर की गई छापेमारी पर भुवनेश्वर और रायपुर के वरिष्ठ कर अधिकारी कड़ी नज़र रख रहे हैं। कोई गिर तारी नहीं हुई है, तथा आयकर विभाग द्वारा बरामद सामग्री (यदि कोई हो) की सूची तैयार होने के बाद विवरण जारी किए जाने की उ मीद है।

ओडिशा में बोले अखिलेश यादव, पीडीए दे रहा समानता का संदेश

भुवनेश्वर १२/११ (संवाददाता): समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मु यमंत्री अखिलेश यादव रविवार को ओडिशा दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने नौपाड़ा विधानसभा उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी रमाकांत हाती के समर्थन में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला और समाजवादी पार्टी की विचारधारा को जनता के सामने रखा। अखिलेश यादव ने कहा, समाजवादी पार्टी स मान और अधिकार की लड़ाई लड़ रही है। हम ओडिशा में पीडीए—यानी पिछड़ा, दलित, आदिवासी—का बीज बोने आए हैं। संविधान बचेगा तो आरक्षण बचेगा। लेकिन अगर सरकारी संस्थाएं निजी हाथों में चली गईं, तो आरक्षण खत्म हो जाएगा। आज पिछड़ों और

दलितों को उनका हक और स मान नहीं मिल पा रहा है।

उन्होंने कहा कि पीडीए में 'ए' का मतलब आदिवासी है, और जब इसमें अल्पसं यक समाज का समर्थन जुड़ता है, तभी समानता का आंदोलन पूरा होता है। अखिलेश ने जनता से अपील की कि वे एकजुट होकर ऐसी सरकार की नीतियों का विरोध करें, जो समाज को बांटने का काम कर रही हैं। पूर्व मु यमंत्री ने नेताजी मुलायम सिंह यादव और बीजू पटनायक के ऐतिहासिक संबंधों को याद करते हुए कहा कि वह राजनीति का दूसरा दौर था, जहां स मान और संवाद था। आज की राजनीति में वैसी परिपक्वता नहीं दिखती।

अखिलेश यादव ने कहा, यहां एक इंजन शराब संभाल रहा है और दूसरा गांजा। भाजपा की डबल इंजन सरकार केवल भ्रम और भ्रष्टाचार की राजनीति कर रही है। उन्होंने दावा किया कि बिहार में जनता ने महागठबंधन के पक्ष में अपना फैसला सुना दिया है और अब खुशहाली की दीपावली लालटेन जलाकर मनाई जाएगी। उन्होंने तेजस्वी यादव की तारीफ करते हुए कहा कि वह एक ऊर्जावान नौजवान नेता हैं, जो बिहार को नई दिशा देंगे। अखिलेश ने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि कई जगह पुलिस ने लोगों को वोट डालने से रोका, जबकि उनके पास पर्ची भी थी। जरूरी है कि चुनाव आयोग मतदाता सूची में फोटो स्पष्ट रखे और पारदर्शिता सुनिश्चित करे। ज़्यादा जानें प्रौद्योगिकी गैजेट सभा के अंत में अखिलेश यादव ने याद दिलाया कि जब वे उत्तर प्रदेश के मु यमंत्री थे, तब उन्होंने ओडिशा सरकार को लैपटॉप वितरण जैसी योजना शुरू करने की सलाह दी थी। हमने यूपी में सबको लैपटॉप दिया था, लेकिन यहां वह वादा अधूरा रह गया, उन्होंने कहा।

शराब के नशे में मां-बाप ने 6 महीने के बच्चे की ले ली जान

कटक १२/११ (संवाददाता): ओडिशा के कटक में चौद्वार थाना व्याघ्रवाहिनी मैदान के पास मौजूद आदिवासी बस्ती में एक दुखद घटना घटी है। शराब के नशे में धुत होकर मां.बाप ने अपने 6 महीने के बेटे को मार डाला। इसके बादए उसे सुनसान जगह पर दफ्ना दिया।

थाने में मिली शिकायत के बाद चौद्वार थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने लाश को बरामद किया। अब पुलिस ने घटना की छानबीन में शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसारए सोमवार को आदिवासी बस्ती के राजू हेंब्रम और संभारी हेंब्रम अपने तीन दोस्तों के साथ घर के अंदर बैठकर देर रात तक शराब पी रहे थे।

अधिक नशा होने के बाद दोनों वहां सोये हुए 6 महीने के बच्चे के ऊपर चढ़ गए।इसके बारे में दोनों को उस वक्त पता नहीं चलाए लेकिन मंगलवार की सुबह जब नशा उतरा तो दोनों ने अपने बेटे को मृत पाया। ऐसे में पति.पत्नी ने हड़बड़ी में आकर बच्चे की लाश को एक सुनसान जगह पर ले जाकर मिट्टी खोदकर उसे दफ्न कर दिया। इस संबंध में पड़ोस के लोग और कुछ युवाओं को जानकारी मिली। उन्होंने तुरंत चौद्वार थाना को इस बारे में खबर दी। थाना अधिकारी विश्व रंजन साहू ने मौके पर पहुंचने के बाद साइंटिफिक्र टीम को बुलाया। साइंटिफिक्र टीम भी मौके पर पहुंच कर घटना की अधिक छानबीन में जुट गई है। बाद में मजिस्ट्रेट पहुंचने के बाद मिट्टी के नीचे से दफ्नाए गए 6 महीने के बच्चे के लाश को निकाला गया और उसे पंचनामा करने के लिए कटक बड़ा मेडिकल को भेजा गया। पुलिस बच्चे की मां.बाप से अधिक पूछताछ में जुटी है। इसको लेकर एक मामला भी दर्ज की गई है। उधर जगतसिंहपुर जिले के तिर्तोल थाना क्षेत्र के शिरस्ता गांव में दो लोगों की रहस्यमयी परिस्थितियों में मृत्यु हो गई।

आरएसपी में ओडिशा पुलिस द्वारा साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

राउरकेला १२/११ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के गोपबंधु सभागार में ओडिशा पुलिस द्वारा एक साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, ताकि कर्मचारी और उनके ज़रिए पूर्व कर्मचारियों को जागरूक किया जा सके। इस मौके पर कार्यपालक निदेशक (एम् डी × सीए एलओ), श्री बी के गिरि, कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन), श्री अनिल कुमार और आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, राउरकेला श्री नितेश वाधवानी मंच पर मौजूद थे। इस कार्यक्रम का मकसद सयंत्र के कर्मचारियों को साइबर स्पेस में बढ़ती चुनौतियों और डिजिटल सुरक्षा और डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने के सबसे अच्छे तरीकों के बारे में जागरूक करना

था। इस सेशन में आरएसपी के अलग-अलग विभागों के कई कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

भाग लेने वालों को संबोधित करते हुए, श्री वाधवानी ने ओडिशा पुलिस द्वारा संभाले गए वास्तविक जीवन के साइबर अपराध मामलों से बहुमूल्य जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि कैसे त्वरित रिपोर्टिंग, जि़ मेदार ऑनलाइन व्यवहार और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने से साइबर अपराधों को रोका जा सकता है और उनके प्रभाव को कम किया जा सकता है।

इस मौके पर बोलते हुए, श्री गिरि ने साइबर हमलों के बढ़ते खतरे पर ज़ोर दिया और व्यक्तिगत जागरूकता और संगठनात्मक तैयारी के महत्व पर बल दिया।श्री अनिल कुमार ने अपने संबोधन में इस पहल की सराहना की और डिजिटल संपत्तियों की सुरक्षा के लिए लगातार सीखने और जागरूकता की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

इससे पहले मु य महाप्रबंधक (नगर सेवाएं एवं सीएसआर), श्री टी. जी. कानेकर ने स्वागत भाषण दिया, जिससे दिन की कार्यवाही की शुरुआत हुई।ओडिशा पुलिस के विशेषज्ञों ने केस स्टडी के साथ साइबर सुरक्षा पर एक प्रेजेंटेशन दिया, जिसमें विभिन्न संभावित साइबर खतरों और उनसे बचाव के प्रभावी उपायों के बारे में विस्तार से बताया गया। इंटरैक्टिव सेशन ने प्रतिभागियों को अनुभव साझा करने और सुरक्षित डिजिटल तरीकों पर अपने सवालों को स्पष्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस सेशन में साइबर सुरक्षा पर एक क्विज़ भी हुआ, जिसमें उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उप महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं बिकास), श्री के. के. जायसवाल ने कार्यक्रम का समन्वय किया और औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव दिया।